www.cgfrontline.com

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

■ वर्षः 01 ■ अंकः 70 ■ जशपुर, 29 अक्टूबर 2026 (गुरुवार) ■ पृष्ठः 08 ■ मूल्यः 01 रूपये

बैलेट पेपर से हुए चुनाव में भी नहीं खुला कांग्रेस का खाता, जनता का विश्वास जरूरी - मुख्यमंत्री

❐ छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने चार राज्यों में हुए विधान परिषद चुनावों के परिणामों को लेकर कांग्रेस पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि ईवीएम पर सवाल उठाकर बैलेट पेपर से चुनाव कराने की मांग करने वाली कांग्रेस बैलेट पेपर से हुए चुनाव में ही अपना खाता नहीं खोल पाई।

28 में से एक भी सीट नहीं जीत पाई कांग्रेस

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार और कर्नाटक में विधान परिषद की 28 सीटों के लिए बैलेट पेपर से चुनाव हुए थे, जिसमें कांग्रेस को एक भी सीट नहीं मिली। सबसे बड़ी बात यह है कि कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार होने के बावजूद वह वहां भी एक सीट नहीं जीत सकी।

ईवीएम नहीं, जनता का विश्वास जरूरी

मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस हर हार के बाद ईवीएम और मतदान प्रक्रिया पर सवाल खड़े करती है। अब बैलेट पेपर से हुए चुनाव में हार के बाद वह किसे दोष देगी? उन्होंने कहा, कांग्रेस को अपनी विफलताओं का ठीकरा मशीनों पर फोड़ने के बजाय आत्ममंथन करना चाहिए। चुनाव चाहे ईवीएम से हो या बैलेट पेपर से, जीत के लिए जनता का विश्वास चाहिए, झूठे आरोप और राजनीतिक शोर-शराबा नहीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन परिणामों ने साबित कर दिया है कि जनता का भरोसा भाजपा और एनडीए के साथ है, जबकि कांग्रेस लगातार जनता का विश्वास खो रही है।

9 महीने जेल में रहा प्रधान पाठक, तब जागा शिक्षा विभाग, कलेक्टर की नाराजगी पर बीईओ और सीएसी को नोटिस

❐ छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सरगुजा। जिले में तीन सरकारी शिक्षकों के जेल जाने के महीनों बाद निलंबन की कार्रवाई ने शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। कलेक्टर अजीत वसंत ने देरी पर नाराजगी जताई है, जिसके बाद डीईओ ने बीईओ और सीएसी को शोकॉज नोटिस जारी किया है।

हत्या प्रयास में सजायाफ्ता प्रधान पाठक 9 महीने रहा जेल में

पहला मामला उदयपुर ब्लॉक के शासकीय प्राथमिक शाला पेण्डरखी का है। यहां पदस्थ प्रधान पाठक विजय कुमार यादव के खिलाफ 2019 में हत्या के प्रयास का केस दर्ज हुआ था। कोर्ट ने 3 जनवरी 2026 को 5 साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई। विजय यादव 3 जनवरी से 9 अक्टूबर 2026 तक करीब 9 महीने जेल में बंद रहा। बिलासपुर हाईकोर्ट से जमानत पर रिहा होने के बाद 22 अक्टूबर को डीईओ ने उसे निलंबित किया।

दो अन्य शिक्षक धोखाधड़ी मामले में जेल में रहे

दूसरा मामला कटघोरिया पारा स्कूल के प्रधान पाठक राजकुमार पैकरा का है, जो 20 जुलाई से 1 अक्टूबर 2026 तक 73 दिन न्यायिक हिरासत में रहा।

तीसरा मामला जरहाडीह स्कूल के सहायक शिक्षक त्रिपाल टोप्पो का है, जो 31 अगस्त से 6 अक्टूबर 2026 तक 37 दिन जेल में रहा। दोनों पर वित्तीय अनियमितता और धोखाधड़ी का केस दर्ज है।

कलेक्टर से शिकायत, सूचना छिपाने का आरोप

सामाजिक कार्यकर्ता परवेज आलम गांधी ने कलेक्टर को लिखित शिकायत दी। आरोप लगाया कि शिक्षक महीनों जेल में रहे, लेकिन बीईओ और डीईओ कार्यालय को जानकारी नहीं दी गई। यह लापरवाही है या जानकारी छिपाई गई, जांच में स्पष्ट होगा। उन्होंने तीनों शिक्षकों को बर्खास्त करने और जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की है। फिलहाल तीनों का निलंबन गिरफ्तारी तिथि से प्रभावी माना गया है और उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता दिए जाने की बात कही गई है।

200 यूनिट बिजली छूट कागजी राहत, जनता को लाभ नहीं मिलेगा - कांग्रेस

❐ छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। छत्तीसगढ़ में 200 यूनिट तक बिजली बिल में 50 प्रतिशत छूट जारी रखने के कैबिनेट फैसले पर कांग्रेस ने सवाल उठाए हैं। प्रदेश कांग्रेस संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने इसे कागजी राहत बताया है।

छूट की शर्तों से लाभ नहीं मिलेगा - कांग्रेस

शुक्ला ने कहा कि योजना के तहत 200 यूनिट तक खपत होने पर ही छूट मिलेगी, सीमा से अधिक होने पर राहत खत्म हो जाएगी। इससे बड़ी संख्या में घरेलू उपभोक्ता लाभ से वंचित रहेंगे। उन्होंने स्मार्ट मीटर से खपत और बिल बढ़ने का भी आरोप लगाया, हालांकि इसकी स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

400 यूनिट हाफ योजना से तुलना

कांग्रेस नेता ने कहा कि पिछली कांग्रेस सरकार में 400 यूनिट तक हाफ बिजली योजना थी, जिसे वर्तमान सरकार ने घटाकर 200 यूनिट कर दिया है और शर्तें लगा दी हैं।सरकार का दावा है कि 6 लाख उपभोक्ताओं को लाभ मिलेगा, जबकि प्रदेश में 65 लाख से अधिक घरेलू उपभोक्ता हैं। ऐसे में सीमित लोगों को ही लाभ मिलेगा।

बिजली दरों में बढ़ोतरी का आरोप

शुक्ला ने आरोप लगाया कि भाजपा कार्यकाल में घरेलू दरों में 30 से 50 पैसे, गैर-घरेलू में 20 से 40 पैसे और कृषि पंपों में 40 पैसे की बढ़ोतरी हुई है। विद्युत ईंधन अधिभार के रूप में 12 प्रतिशत अतिरिक्त भार लगाया गया है। उनके अनुसार भाजपा कार्यकाल में कुल 31.23 प्रतिशत वृद्धि हुई, जबकि कांग्रेस के पांच साल में केवल दो पैसे बढ़े थे। उन्होंने सरकार से छूट की शर्तों पर पुनर्विचार कर उपभोक्ताओं को वास्तविक राहत देने की मांग की।

3100 नहीं 3358 रुपए दो धान का दाम, दीपक बैज ने सरकार से किया बकाया भुगतान का दावा

❐ छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। छत्तीसगढ़ में धान खरीदी को लेकर कैबिनेट के फैसले के बाद कांग्रेस ने सरकार को घेरा है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने धान की कीमत 3100 से बढ़ाकर 3358 रुपए प्रति क्विंटल करने और दिवाली से पहले किसानों को 6000 करोड़ रुपए का भुगतान करने की मांग की है।

15 नवंबर से धान खरीदी, 3100 रुपए समर्थन मूल्य

राज्य सरकार ने खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के लिए 15 नवंबर से धान खरीदी शुरू करने का फैसला लिया है। कैबिनेट ने 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से खरीदी, प्रति एकड़ 21 क्विंटल की सीमा और 160 लाख मीट्रिक टन खरीदी का लक्ष्य तय किया है। किसानों की सुविधा के लिए 360 नए खरीदी केंद्र भी खोले जाएंगे।

बैज ने उठाया बकाया भुगतान का मुद्दा

दीपक बैज ने कहा कि सरकार किसानों को 3358 रुपए प्रति क्विंटल की दर से भुगतान करे। उन्होंने कहा कि किसानों को धान की चौथी किस्त के 1700 करोड़ रुपए भी दिए जाएं। बढ़े समर्थन मूल्य के अंतर की राशि मिलाकर कुल करीब 6000 करोड़ रुपए दिवाली से पहले किसानों के खातों में डाले जाएं। उन्होंने आदान सहायता की राशि एकड़ के बजाय प्रति क्विंटल के हिसाब से देने की भी मांग की। बैज ने कहा कि धान की कीमत और किसानों को राहत देने की मांग को लेकर किसान संगठन प्रदर्शन कर रहे हैं, ऐसे में भुगतान का मुद्दा अहम हो गया है।

शिक्षकों का तबादला, प्राचार्य से सहायक शिक्षक तक नई पदस्थापना के आदेश

❐ छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। स्कूल शिक्षा विभाग ने शिक्षकों के तबादले को लेकर बड़ा आदेश जारी किया है। प्राचार्य, व्याख्याता, शिक्षक, प्रधान पाठक और सहायक शिक्षक संवर्ग के कई कर्मचारियों की नई पदस्थापना की गई है। यह आदेश तत्काल प्रभाव से और आगामी आदेश तक अस्थायी रूप से लागू रहेगा।

प्राचार्य संवर्ग में दो तबादले

राजेश कुमार पटेल को रायगढ़ जिले के खरसिया ब्लॉक के शासकीय हाई स्कूल करितमाल और जमुना प्रसाद सिंह को जशपुर जिले के कांसाबेल ब्लॉक के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जुमईकेला में पदस्थ किया गया है।

व्याख्याता और शिक्षक संवर्ग में बदलाव

व्याख्याता संवर्ग में रश्मि देवी ठाकुर, मनीषा भगत, अंजलि देवी जायसवाल, जगन्नाथ प्रसाद पकरा, रामकुमार जायसवाल, दीपक बरगाह, छबपाल कश्यप, सुनीता यादव, गायत्री वर्मा और तरंगेदास साहू को रायगढ़, जशपुर, सरगुजा, कोरबा, मुंगेली, कबीरधाम समेत अन्य जिलों में नई पदस्थापना दी गई है। शिक्षक संवर्ग में कृष्ण कुमार, परमेश्वर साहू, गोदावरी साहू, उत्तर कुमार सदार, जगत राम कश्यप, पूर्णिमा ध्रुव, राम प्रसाद देवांगन, अजय तिवारी, राजेश सिंह चौहान और उत्तम कुमार निषाद को नारायणपुर, सुकमा, जशपुर, महासमुंद, कबीरधाम सहित विभिन्न जिलों में भेजा गया है।

सहायक शिक्षकों के भी तबादले

सहायक शिक्षक संवर्ग में अनुपा बड़ा, बुधनाथ राम भगत, रमेश कुमार पटेल, तेज प्रताप सिंह, मंजू राज, पद्मावती नाग, सुनील कुमार चौधरी, भोज साहू, संतराम साहू और सुभद्रा कश्यप को जशपुर, महासमुंद, बिलासपुर, कांकेर, दुर्ग, कोरबा और रायगढ़ जिलों के स्कूलों में पदस्थ किया गया है।

300 करोड़ की कथित धोखाधड़ी में पूर्व भाजपा नेता गिरफ्तार, 13 महीने से दे रहा था चकमा

❐ छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। 300 करोड़ से अधिक की कथित धोखाधड़ी और गबन के मामले में भिलाई भाजपा के पूर्व कोषाध्यक्ष संदीप अग्रवाल को कोलकाता पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी को झारखंड से पकड़ा गया है, जहां वह सरेंडर करने थाने पहुंचा था। कोर्ट ने उसे 10 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है।

तीन राज्यों में कारोबार की आड़ में धोखाधड़ी का आरोप

संदीप अग्रवाल और उसके परिवार पर गुजरात, पश्चिम बंगाल और झारखंड में व्यापार के नाम पर लोगों से करोड़ों की ठगी का आरोप है। शिकायतकर्ताओं का दावा है कि कुल रकम 300 करोड़ से अधिक है। हालांकि कुछ रिपोर्टों में यह आंकड़ा 100 करोड़ से अधिक बताया गया है। पुलिस के अनुसार आरोपी की तलाश में कई राज्यों की पुलिस जुटी थी। अहमदाबाद, गांधीधाम, भुवनेश्वर, रायपुर, भिलाई और कोलकाता में दबिश दी गई, लेकिन वह 13 महीने तक फरार रहा। झारखंड में लोकेशन मिलने पर कोलकाता पुलिस ने कार्रवाई की।

राजनीतिक रसूख का इस्तेमाल करने का आरोप

शिकायत में कहा गया है कि संदीप खुद को भाजपा नेता बताकर रसूख दिखाता था और कार्रवाई से बचने के लिए राजनीतिक संपर्कों का सहारा लेता था, हालांकि इसकी स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। वह गुजरात के डीसीबी थाने के एक मामले में पहले से जमानत पर था और झारखंड पुलिस उसके घर पर कोर्ट के आदेश पर नोटिस चस्पा कर चुकी थी।

परिवार के तीन सदस्य भी आरोपी

इस मामले में उसके बड़े भाई संजय अग्रवाल और सचिन अग्रवाल भी नामजद हैं। दोनों पर लुकआउट सर्कुलर था और वे गांधीधाम व धनबाद जेल में 13 महीने रहने के बाद सुप्रीम कोर्ट से जमानत पर बाहर आए हैं। संजय की पत्नी राखी अग्रवाल भी सह-आरोपी हैं, जो 2 महीने धनबाद जेल में रहने के बाद जमानत पर हैं।

एमएलसी चुनाव में कांग्रेस की हार पर अमित शाह का तंज, बोले- 'बैलेट बॉक्स इस्तीफा दो'

28 सीटों में कांग्रेस का खाता नहीं खुलने पर भाजपा नेताओं ने साधा निशाना, पीएम मोदी भी उठा चुके हैं सवाल

❐ छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

नई दिल्ली। चार राज्यों में विधान परिषद (एमएलसी) की 28 सीटों पर हुए चुनाव के नतीजों के बाद भाजपा ने कांग्रेस पर निशाना साधा है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को सोशल मीडिया पर तंज कसते हुए लिखा, "28 में से कितनी सीटें जीतीं... 0।" इसके साथ ही उन्होंने लिखा, "बैलेट बॉक्स इस्तीफा दो।"

अमित शाह की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी बैलेट पेपर से हुए इन चुनावों में कांग्रेस के प्रदर्शन पर सवाल उठा चुके हैं। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा था कि उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार और कर्नाटक की 28 सीटों पर बैलेट पेपर से चुनाव हुए और लोगों से पूछा था कि कांग्रेस ने कितनी सीटें जीतीं।

चाकू के नोक पर बच्ची को रखकर शिक्षक के घर से डेढ़ लाख ले गए

बच्ची को मुसीबत में देखकर मां भिड़ी डकैतों से, हाथ कटा

❐ छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। सूरजपुर जिले में कानून व्यवस्था को चुनौती देने वाली बड़ी वारदात सामने आई है। ग्राम अधिना सलका में एक सहायक शिक्षक के घर में आधी रात को 4 हथियारबंद लुटेरे घुस गए और मासूम बच्ची के गले पर धारदार चाकू रखकर डेढ़ लाख रुपये और मोबाइल लूटकर फरार हो गए।

जानकारी के मुताबिक, ग्राम अधिना सलका निवासी राधेश्याम सिंह शासकीय प्राथमिक शाला कोटेया में सहायक शिक्षक वर्ग-3 के पद पर पदस्थ हैं। 27 अक्टूबर की रात करीब 1.30 बजे वे अपनी पत्नी बलिता मीन और अपनी 3 साल की बेटी के साथ अपने कमरे में सो रहे थे, तभी 4 लोग घर में घुस आए। इनमें 2 पुरुष और 2 लोग सलवार सूट पहने हुए थे, सभी ने चेहरे को कपड़े से बांध रखा था। आरोपी पुरुष हैं या महिला, अंधेरे में पता नहीं चल पाया। घर में घुसते ही उन्होंने 3 साल की बेटी के गले में चाकू अड़ा दिया और धमकाते हुए अलमारी खोलने और पैसा देने के लिए कहा, नहीं तो बेटी को जान से मार देने की धमकी दी। शिक्षक की पत्नी बलिता ने हिम्मत दिखाते हुए बेटी को बचाने के लिए एक लुटेरे के हाथ से चाकू छीनने की कोशिश की, इसी दौरान चाकू से उसका हाथ गहराई से कट गया और खून बहने लगा। लुटेरों ने फिर भी धक्का-मुक्की करते हुए धमकाना जारी रखा। जान बचाने के लिए राधेश्याम ने अलमारी में रखा करीब 1,50,000 रुपये नकद और सिम लगा एक मोबाइल फोन लुटेरों को दे दिया। लूट के बाद लुटेरे कमरे का दरवाजा बाहर से बंद करके भाग गए। जाते समय बगल के कमरे में रहने वाली मौसी नान बाई महंत को धमकाते हुए बोले दूर हट जाओ नहीं तो तुम्हें मार देंगे। डरी सहमी मौसी ने बाद में कमरे का दरवाजा खोला, तब राधेश्याम ने पड़ोसियों को उठाकर घटना की जानकारी दी। इसके बाद वह पत्नी को लेकर उप स्वास्थ्य केंद्र सलका अधिना गया और उपचार कराया। पुलिस ने मामले में धारा 309(6), 3(5) बीएनएस के तहत डकैती का अपराध दर्ज कर लिया है, और अग्रिम जांच शुरू कर दी है।

संजय राउत को सुप्रीम कोर्ट का समन

❐ छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने अवमानना मामले में सांसद संजय राउत को 17 नवंबर को अदालत में पेश होने का आदेश दिया है। कोर्ट ने शिवसेना (यूबीटी) सांसद को चीफ जस्टिस और न्यायपालिका के बारे में की गई टिप्पणियों से जुड़े व्यक्तिगत रूप से पेश होने को कहा है। इसके अलावा शीर्ष अदालत ने पत्रकार निखिल वागले को भी 17 नवंबर को वर्चुअली पेश होने के लिए कहा। इस मामले में अगली सुनवाई 17 नवंबर को होगी। जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस विपुल एम पंचोली की बेंच ने बुधवार को यह आदेश दिया। आपको बता दें कि सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन द्वारा पत्रकार निखिल वागले और शिवसेना (यूबीटी) के राज्यसभा सांसद संजय राउत के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में दाखिल आपराधिक मामले पर याचिका दाखिल की है।

यौन शोषण मामला- बृजभूषण को जवाब देने का आखिरी मौका

अगली सुनवाई 20 नवंबर को, महिला पहलवानों ने बरी होने के फैसले को किया चैलेंज

गोंडा। महिला पहलवानों के यौन शोषण से जुड़े मामले में भारतीय कुश्ती संघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व अध्यक्ष और पूर्व भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह और पूर्व सचिव विनोद तोमर को बरी किए जाने के खिलाफ दायर अपील पर बुधवार सुबह 11 बजे दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट ने बृजभूषण शरण सिंह को जवाब दाखिल करने का आखिरी मौका दिया है। उनके वकील ने ऑनलाइन पेश होकर जवाब दाखिल करने के लिए एक सप्ताह का समय मांगा। विशेष न्यायाधीश ने आखिरी मौका देते हुए मामले की अगली सुनवाई 20 नवंबर तय की है।

9 अक्टूबर को एमपी/एमएलए सेशन कोर्ट के विशेष न्यायाधीश दिग्विजय सिंह ने मामले की सुनवाई करते हुए बृजभूषण शरण सिंह को 28 अक्टूबर तक जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया था। कोर्ट ने कहा था कि निचली अदालत में शुरू से अंत तक हुई पूरी अदालती कार्यवाही का डिजिटल रिकॉर्ड (पेन ड्राइव में) याचिकाकर्ता पहलवानों, बृजभूषण शरण सिंह, विनोद तोमर और दिल्ली पुलिस को उपलब्ध कराया जाए। कोर्ट ने दिल्ली पुलिस से भी पूछा था कि क्या वह इस फैसले के खिलाफ अपील दाखिल करेगी, जिस पर पुलिस ने जवाब देने के लिए समय मांगा था।

कोरबा में कबाड़ से जुगाड़, पुरानी बस बनी चलता-फिरता पुस्तकालय

❐ छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

कोरबा। नगर निगम ने कबाड़ से जुगाड़ का अनोखा उदाहरण पेश किया है। निगम के टर्मिनल में पड़ी पुरानी, बेकार बस को मॉडिफाई कर वातानुकूलित लाइब्रेरी ऑन व्हील्स में बदल दिया गया है। निगम की इस पहल का मकसद लोगों का डिजिटल डिटॉक्स करना है। आज बच्चे से लेकर युवा तक मोबाइल और सोशल मीडिया में उलझे हैं, किताबों से दूरी बढ़ रही है। यह चलती-फिरती लाइब्रेरी लोगों को स्क्रीन से हटाकर किताबों से जोड़ेगी।

एसी लाइब्रेरी में आरामदायक व्यवस्था

बस के अंदर किताबों के लिए रैक, बैठने की आरामदायक व्यवस्था और रोशनी का इंतजाम किया गया है। इसमें बच्चों की कॉमिक्स, प्रतियोगी परीक्षाओं, कहानी संग्रह और सामान्य ज्ञान की किताबें रखी गई हैं। इसकी शुरुआत प्रदेश के साहित्यकार विनोद शुक्ल और सुरेंद्र दुबे की स्मृति में की गई है। फिलहाल यह बस घंटा घर चौक और स्मृति उद्यान के पास खड़ी रहती है, लेकिन जल्द ही यह शहर के अलग-अलग वार्डों, पार्कों और स्कूलों में जाएगी।

रोजाना 25-30 लोग पढ़ने आ रहे

आयुक्त आशुतोष पांडेय ने बताया कि कबाड़ से जुगाड़ की परिकल्पना को साकार किया गया है। केयरटेकर पुरुषोत्तम के अनुसार दिन भर में 25-30 लोग आते हैं और एक से डेढ़ घंटा किताब पढ़ते हैं, इस दौरान वे मोबाइल से दूर रहते हैं। मनोवैज्ञानिक डॉ. अवंतिका कौशिल का कहना है कि अधिक स्क्रीन टाइम से शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर असर पड़ रहा है, सोचने की क्षमता कम हो रही है। ऐसे में डिजिटल डिटॉक्स जरूरी है और यह पहल इसमें मददगार साबित होगी।

पीवी ऐप के विरोध में पटवारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल जारी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। पीवी ऐप की तकनीकी एवं व्यवहारिक खामियों का समाधान नहीं होने और विरोध करने वाले पटवारियों पर कार्रवाई किए जाने से राजस्व पटवारी संघ छत्तीसगढ़ में नाराजगी है। संघ 13 अक्टूबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर है। संघ ने भू-अभिलेख संचालनालय नवा रायपुर के संचालक को ज्ञापन सौंपकर ऐप की समस्याओं का निराकरण करने और पटवारियों के तबादले, निलंबन व कारण बताओ नोटिस की कार्रवाई निरस्त करने की मांग की है। संघ के अनुसार पीवी ऐप से फसलों के भौतिक सत्यापन में आ रही दिक्कतों से शासन और विभाग को पहले ही अवगत कराया जा चुका है, लेकिन अब तक समाधान नहीं हुआ है। संघ ने कहा कि पटवारी डिजिटल क्रॉप सर्वे, एग्रीस्टैक व किसान पंजीयन, जनगणना, लघु सिंचाई संगणना, रेलवे व एनएच सर्वे, आय-जाति-निवास प्रमाणपत्र, स्वामित्व योजना और अन्य शासकीय कार्य भी कर रहे हैं। ऐसे में तकनीकी खामियों के बीच पीवी ऐप से काम कराने का दबाव उचित नहीं है। संघ ने आरोप लगाया कि ऐप के बहिष्कार को लेकर बलौदाबाजार में पदाधिकारियों व पटवारियों के तबादले और कारण बताओ नोटिस जारी किए गए, जबकि महासमुंद में पटवारियों को निलंबित किया गया है। संघ ने इन कार्रवाइयों की निंदा करते हुए इन्हें तत्काल निरस्त करने की मांग की है। संघ का कहना है कि दंडात्मक कार्रवाई के बजाय पीवी ऐप की खामियां दूर कर लंबित मांगों पर सकारात्मक निर्णय लिया जाना चाहिए। हड़ताल और मांगों को लेकर अब विभाग के रुख पर नजर है।

आत्मानंद स्कूल में आसाराम बापू की पुस्तक बांटने पर विवाद, पालकों ने डीईओ से की शिकायत

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बलरामपुर। बलरामपुर के रघुनाथ नगर स्वामी आत्मानंद स्कूल में बच्चों को आसाराम बापू की फोटो लगी 'संस्कार सरिता' पुस्तक बांटने का मामला तूल पकड़ रहा है। पालकों ने इसकी शिकायत जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) से की है। पालकों का आरोप है कि स्कूल के प्राचार्य ने बच्चों के बीच आसाराम बापू की प्रचार सामग्री बंटवाई है। पुस्तक में उन्हें महापुरुष के रूप में दर्शाया गया है। परिजनों ने कहा- आसाराम बापू संगीन अपराधों में संलिप्त हैं और जेल में हैं। उनके नाम से किसी भी प्रकार की सामग्री स्कूल में नहीं बंटनी चाहिए। गलत व्यक्ति को महापुरुष बताकर बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ किया जा रहा है। हम इसका घोर विरोध करते हैं और प्राचार्य पर सख्त कार्रवाई की मांग करते हैं।

डीईओ ने कहा- जांच के बाद होगी कार्रवाई

मामले में बलरामपुर जिला शिक्षा अधिकारी नरेंद्र निरापुरे ने कहा कि मामला संज्ञान में आया है। विकासखंड शिक्षा अधिकारी से पूरी रिपोर्ट मंगाई गई है। उच्च अधिकारियों को भी अवगत करा दिया गया है। जांच रिपोर्ट के आधार पर उचित कार्रवाई की जाएगी।

कुमदा सहक्षेत्र में लकड़ी व कबाड़ चोरी करते चार पकड़ाए

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। एसईसीएल बिश्रामपुर क्षेत्र के कुमदा सहक्षेत्र में लकड़ी व कबाड़ चोरी के मामले में सुरक्षा विभाग ने चार लोगों को पकड़कर पुलिस के हवाले किया है। बिश्रामपुर पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए बुधवार को चारों आरोपियों को सूरजपुर न्यायालय में पेश किया। बिश्रामपुर पुलिस ने बताया कि सिलफिली निवासी विकेश गिरी, केनापारा तेलईकछार निवासी मुकेश सोनी, महेशपुर निवासी राजू प्रसाद राजवाड़े और गणेशपुर निवासी राम मोहन राजवाड़े को मंगलवार को कुमदा सहक्षेत्र में लकड़ी व कबाड़ चोरी के मामले में एसईसीएल सुरक्षा विभाग ने पकड़ा था। इसके बाद उन्हें बिश्रामपुर पुलिस को सौंप दिया गया। पुलिस ने मामले में चोरी से संबंधित कार्रवाई पूरी कर चारों को न्यायालय में पेश किया है। ज्ञात हो कि एसईसीएल बिश्रामपुर क्षेत्र में यूकेलिप्टस के पेड़ों की अवैध कटाई और लकड़ी व कबाड़ चोरी का कारोबार लंबे समय से चल रही है। कोयलांचल क्षेत्र में इस तरह की गतिविधियों से कंपनी की संपत्ति की सुरक्षा को लेकर सवाल उठते रहे हैं।

राज्योत्सव में किसानों को मिलेगा मंच, 02 नवंबर को उद्यानिकी उत्पादों की प्रदर्शनी

कृषक पंजीयन कराकर अपनी उपज के साथ पहुँचें राज्योत्सव, फसलवार उत्कृष्ट प्रदर्शन पर मिलेगा सम्मान

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिले के कृषक बंधु इस बार राज्योत्सव में अपने उद्यानिकी उत्पादों का प्रदर्शन कर सकेंगे और उत्कृष्ट उत्पाद लाने वाले किसानों को सम्मानित भी किया जाएगा। राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर 02 नवंबर 2026 को राज्योत्सव स्थल हाई स्कूल ग्राउंड में आयोजित जिला स्तरीय राज्योत्सव में उद्यानिकी विभाग द्वारा किसानों के उत्पादों की विशेष प्रदर्शनी लगाई जाएगी। इसका उद्देश्य जिले के प्रगतिशील किसानों की मेहनत और उपलब्धियों को मंच प्रदान करना तथा अन्य किसानों को उद्यानिकी खेती के लिए प्रेरित करना है।

सहायक संचालक उद्यानिकी द्वारा बताया गया कि प्रदर्शनी में भाग लेने के लिए किसानों को पंजीयन कराना अनिवार्य होगा। इच्छुक किसान अपने उत्पादों के साथ 02 नवंबर को सुबह 8 बजे तक राज्योत्सव स्थल हाई स्कूल ग्राउंड (नगर पालिका के सामने) पहुँचकर उद्यानिकी विभाग के स्टॉल में पंजीयन करा सकते हैं। इसके अलावा किसान पूर्व में ही अपने विकासखंड के उद्यान अधीक्षक अथवा ग्रामीण उद्यान विस्तार अधिकारी से, अथवा उद्यानिकी विभाग के जिला कार्यालय में संपर्क कर भी पंजीयन करा सकते हैं।

प्रदर्शनी में फसलवार उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले किसानों को सम्मानित किया जाएगा। उद्यानिकी विभाग ने जिले के अधिक से अधिक किसानों से अपने उत्पादों के साथ प्रदर्शनी में भाग लेने की अपील की है।

कंठी घाट मार्ग पर बस सेवा बहाल

कुसमी, चांदो, सामरी के यात्रियों को राहत, कंठी घाट मार्ग खुला

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। बलरामपुर-चांदो-सामरी मार्ग के कंठी घाट पर यात्री बसों के आवागमन पर लगा अस्थायी प्रतिबंध हटा लिया गया है। कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी ने इस संबंध में आदेश जारी कर इस मार्ग पर यात्री बसों के संचालन की अनुमति प्रदान की है। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है।

उल्लेखनीय है कि कंठी घाट में नाली निर्माण कार्य जारी रहने के कारण 17 जुलाई 2026 को जारी आदेश के माध्यम से जनहित और सुरक्षा की दृष्टि से इस मार्ग पर यात्री बसों का आवागमन पूर्णतः प्रतिबंधित किया गया था। अब लोक निर्माण विभाग (भवन/सड़क) संभाग रामानुजगंज के कार्यपालन अभियंता ने अवगत कराया है कि इस मार्ग पर छोटे वाहनों और सवारी बसों का आवागमन सुरक्षित रूप से किया जा सकता है।

प्रकरण की समीक्षा के उपरांत वर्तमान परिस्थितियों और आमजन की सुविधा को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने यह निर्णय लिया है। इससे कुसमी, चांदो और सामरी क्षेत्र के यात्रियों को आवागमन में बड़ी राहत मिलेगी। आदेश के पालन हेतु अनुविभागीय दण्डाधिकारी कुसमी, जिला परिवहन अधिकारी तथा संबंधित तहसीलदारों एवं थाना प्रभारियों को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए गए हैं।

चक्रवाती तूफान की चेतावनी पर जिले के सभी स्कूलों में आज अवकाश

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। मौसम विभाग द्वारा चक्रवाती तूफान के संबंध में चेतावनी जारी किए जाने के बाद सूरजपुर जिले के समस्त शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों में गुरुवार 29 अक्टूबर को अवकाश घोषित किया गया है।

जिला शिक्षा अधिकारी सूरजपुर द्वारा जारी सूचना में सभी विकासखंड शिक्षा अधिकारियों तथा शासकीय-अशासकीय विद्यालयों के प्राचार्यों एवं प्रधानपाठकों को निर्देशित किया गया है कि अवकाश की जानकारी तत्काल शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं संबंधितों तक पहुंचाना सुनिश्चित करें।

द्वीप्ति योजना से छत्तीसगढ़ की 801 महिलाएं बनेंगी सौर ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की नई पहचान

रायपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। छत्तीसगढ़ की ग्रामीण महिलाएं अब स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की नई इबारत लिख रही हैं। कभी स्व-सहायता समूहों के माध्यम से पारंपरिक आजीविका गतिविधियों से जुड़ी महिलाएं अब सौर ऊर्जा जैसे आधुनिक तकनीकी क्षेत्र में अपनी पहचान बना रही हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश में संचालित 'द्वीप्ति योजना' (छ्वङ्खश्वक्कञ्जद्ब) ग्रामीण महिलाओं को ऊर्जा उद्यमी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल साबित हो रही है। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से जोड़कर छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' की महिलाओं को सोलर दीदी के रूप में तैयार किया जा रहा है। ये महिलाएं गांव-गांव सौर ऊर्जा का उजियारा पहुंचाने के साथ आर्थिक आत्मनिर्भरता की नई राह पर आगे बढ़ रही हैं।

प्रदेश में अब तक बिहान मिशन से जुड़ी 801 महिलाओं को 'सोलर दीदी' के रूप में चिन्हांकित किया गया है। वहीं 19 संकुल स्तरीय संगठनों (सीएलएफ) का सोलर वेंडर के रूप में पंजीयन किया जा चुका है। राज्य के विभिन्न जिलों में 94 सोलर सिस्टम स्थापित किए जा चुके हैं तथा 415 सोलर स्थापना के प्रकरण प्रक्रियाधीन हैं। यह प्रगति दर्शाती है कि ग्रामीण महिलाओं के नेतृत्व में स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने की यह पहल अब धरातल पर आकार ले रही है।

द्वीप्ति योजना का पूरा नाम 'डिसेंट्रलाइज्ड वूमेन एम्पावरमेंट ऑन एनर्जी एंड पॉलिसी फॉर ट्रांसफॉर्मेटिव इन्क्लूजन' है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा तकनीकी सहयोगी संस्था ट्रांसफॉर्म रूरल इंडिया के साथ ग्रीन इकोनॉमी ट्रांजिशन मिशन के अंतर्गत विकसित इस पहल का उद्देश्य महिलाओं को अक्षय ऊर्जा क्षेत्र की मुख्यधारा से जोड़ना है।

योजना की विशेषता यह है कि इसमें महिलाओं को केवल सरकारी योजनाओं का लाभ लेने वाली हितग्राही नहीं, बल्कि सौर ऊर्जा क्षेत्र में वेंडर, तकनीशियन, प्रबंधक और उद्यमी के रूप में विकसित किया जा रहा है। महिला स्व-सहायता समूहों के संकुल स्तरीय संगठनों को अधिकृत सोलर वेंडर के रूप में पंजीकृत कर उन्हें व्यवसाय संचालन का अवसर दिया जा रहा है। इससे ग्रामीण महिलाओं के लिए पारंपरिक आजीविका से आगे बढ़कर तकनीक आधारित रोजगार के नए द्वार खुल रहे हैं।

इस पहल के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में सौर ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देने के साथ महिलाओं को स्थायी आजीविका के अवसर उपलब्ध कराने पर जोर दिया जा रहा है। महिला संकुल संगठनों को उद्यम के रूप में विकसित कर उन्हें सोलर सिस्टम की स्थापना, संचालन और रखरखाव जैसी सेवाओं से जोडऩे की दिशा में कार्य किया जा रहा है। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लखपति दीदी के संकल्प को आगे बढ़ाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण प्रयास है।

द्वीप्ति योजना के प्रारंभिक क्रियान्वयन में कबीरधाम जिला एक प्रेरक उदाहरण बनकर सामने आया है। जिले में बिहान मिशन के अंतर्गत कवर्धा के वंदेमातरम् महिला संकुल स्तरीय संगठन को प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत अधिकृत सोलर वेंडर के रूप में पंजीकृत किया गया है। यहां स्व-सहायता समूहों की महिलाओं को विशेष प्रशिक्षण देकर सोलर दीदी के रूप में तैयार किया गया।

जिले के ग्राम समनापुर में इस पहल के अंतर्गत शुरुआती रूफटॉप सोलर सिस्टम की स्थापना की गई। प्रगति आजीविका ग्राम संगठन के अंतर्गत माता भवानी स्व-सहायता समूह की सदस्य मती अंजनी पटेल भी इस प्रशिक्षण से लाभान्वित होने वाली महिलाओं में शामिल हैं। उनके लिए सौर ऊर्जा के क्षेत्र में काम करने का अवसर आजीविका की नई उम्मीद लेकर आया है। यह पहल अन्य ग्रामीण महिलाओं को भी तकनीकी कार्यों से जुड़कर आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा दे रही है।

कबीरधाम में सोलर पैनल स्थापना से जुड़ी गतिविधियों के माध्यम से प्रति सोलर दीदी को प्रत्येक स्थापना पर 500 से 1000 रुपए तक आय होने का अनुमान है। वहीं महिला संकुल संगठन के लिए भी अतिरिक्त आमदनी के अवसर विकसित किए जा रहे हैं। योजना के अंतर्गत सोलर दीदियों को सौर ऊर्जा के लाभ, हितग्राहियों का पंजीयन, सोलर सिस्टम की स्थापना, बुनियादी तकनीकी जानकारी और रखरखाव से संबंधित कार्यों से जोड़ा जा रहा है। ये महिलाएं ग्रामीण परिवारों को प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत उपलब्ध सब्सिडी, बिजली बिल में संभावित बचत और सोलर पैनल स्थापना की प्रक्रिया की जानकारी भी दे रही हैं।

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड तथा जिला प्रशासन के सहयोग से महिला संकुल संगठनों का वेंडर पंजीयन और तकनीकी क्षमता विकास किया जा रहा है। वहीं बिहान मिशन के माध्यम से हितग्राहियों को वित्तीय सहायता और बैंक ऋण की प्रक्रिया में सहयोग देने की व्यवस्था भी विकसित की जा रही है।

द्वीप्ति योजना महिला सशक्तिकरण और स्वच्छ ऊर्जा के विस्तार को एक साथ जोडऩे का अभिनव प्रयास है। इससे जहां ग्रामीण परिवारों को सौर ऊर्जा अपनाने में सहायता मिल रही है, वहीं महिलाओं के लिए स्थानीय स्तर पर रोजगार और उद्यमिता के अवसर भी विकसित हो रहे हैं। महिला संकुल संगठनों का वेंडर के रूप में आगे आना ग्रामीण अर्थव्यवस्था में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी का महत्वपूर्ण संकेत है।

छत्तीसगढ़ की सोलर दीदियों की यह पहल केवल घरों की छतों पर सोलर पैनल लगाने तक सीमित नहीं है, बल्कि ग्रामीण महिलाओं के सपनों को नई उड़ान देने का माध्यम बन रही है। जिन हाथों ने अब तक परिवार और आजीविका की जिम्मेदारियां संभालीं, वे अब आधुनिक तकनीक से जुड़कर गांवों को ऊर्जा आत्मनिर्भर बनाने में योगदान दे रहे हैं। द्वीप्ति योजना के माध्यम से छत्तीसगढ़ महिला नेतृत्व, हरित रोजगार और स्वच्छ ऊर्जा आधारित ग्रामीण विकास का नया अध्याय लिखने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

उन्नत नस्ल और वैज्ञानिक पशुपालन से रामानुजगंज के अनूप कश्यप बने आत्मनिर्भर

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। रामानुजगंज के श्री अनूप कुमार कश्यप ने पशुधन विकास विभाग के सहयोग और शासकीय योजनाओं की मदद से पशुपालन को स्थायी आय का जरिया बना लिया है। पहले उनके लिए पशुपालन घर की ज़रूरतें पूरी करने का साधन भर था। अब उनकी गौशाला उन्नत नस्ल की गायों और बछियों से भरी है और दूध की बिक्री से नियमित आय होती है।

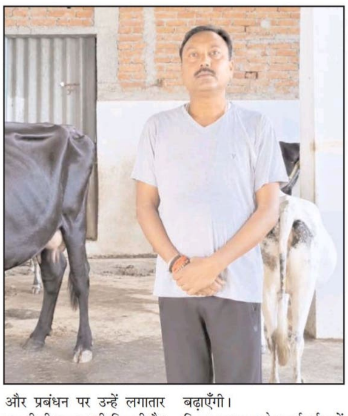

इस बदलाव में पशुधन विकास विभाग की लगातार भागीदारी की बड़ी भूमिका रही। विभाग के कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम से उनके पास अधिक दूध देने वाली उन्नत नस्ल की गायें और बछिया तैयार हुईं। विभाग के पशु चिकित्सक और मैदानी अमला समय-समय पर उनके पशुओं का टीकाकरण करते हैं, कृमिनाशक दवाएँ देते हैं और कैल्शियम-विटामिन सप्लीमेंट्स उपलब्ध कराते हैं। पशुओं के आहार, देखभाल और प्रबंधन पर उन्हें लगातार तकनीकी सलाह भी मिलती है। उन्नत मादा वत्स पालन योजना से मिली आर्थिक सहायता से बछियों की बेहतर परवरिश हुई, जो आगे चलकर दुधारू गायों के रूप में उनकी आय बढ़ाएँगी।

जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में पशुपालकों की आय बढ़ाने के लिए जिले में नस्ल सुधार और पशु स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। विगत तीन वर्षों में राष्ट्रीय कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम के तहत 36 हजार से अधिक कृत्रिम गर्भाधान किए गए, जिनसे 17 हजार से अधिक उन्नत नस्ल के बछड़े-बछियों का जन्म हुआ। दूरस्थ गाँवों तक पशु चिकित्सा पहुँचाने के लिए मोबाइल वेटनरी यूनिट और पशु स्वास्थ्य शिविर भी चलाए जा रहे हैं। जिला प्रशासन का प्रयास है कि अधिक से अधिक ग्रामीण वैज्ञानिक पशुपालन अपनाकर स्वरोजगार से जुड़ें और आत्मनिर्भर बनें। श्री अनूप कश्यप की सफलता इन प्रयासों का अच्छा उदाहरण है।

अपने अनुभव से श्री कश्यप आसपास के पशुपालकों को भी उन्नत नस्ल, समय पर टीकाकरण और संतुलित पोषण अपनाने की सलाह देते हैं। उनकी कहानी बताती है कि विभाग का सहयोग और योजनाओं का सही उपयोग मिल जाए, तो पशुपालन ग्रामीण परिवारों के लिए समृद्धि का मजबूत आधार बन सकता है।

अवैध धान भंडारण पर कार्रवाई, पांच स्थानों से 86.40 क्विंटल धान जब्त

कवर्धा, छ.ग. फ्रंटलाइन। छत्तीसगढ़ में आगामी धान खरीदी सीजन से पहले कबीरधाम जिला प्रशासन ने अवैध धान कारोबार और अनियमित भंडारण के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। कलेक्टर तुलिका प्रजापति के निर्देश पर खाद्य विभाग और मंडी समिति की संयुक्त टीम ने जिले के पांच स्थानों पर जांच कर 216 बोरी धान जब्त किया। जब्त धान का कुल वजन 86.40 क्विंटल है। मामले में संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ मंडी अधिनियम के तहत पांच प्रकरण दर्ज किए गए हैं।

खाद्य अधिकारी चंद्रशेखर देवांगन के अनुसार, धान खरीदी शुरू होने से पहले अवैध कारोबार पर रोक लगाने के लिए निगरानी बढ़ाई गई है। इसी क्रम में संयुक्त टीम ने उडियाकला, बिडोरा, कल्याणपुर, भागूटोला और तरेगांव जंगल में कार्रवाई की।

प्रशासन की कार्रवाई के दौरान बजरंगबली ट्रेडर्स, उडियाकला (सहसपुर लोहारा) से 60 बोरी यानी 24 क्विंटल धान जब्त किया गया। वहीं, भोजराम पटेल, बिडोरा के यहां से 40 बोरी यानी 16 क्विंटल, पेखन साहू, कल्याणपुर से 55 बोरी यानी 22 क्विंटल धान बरामद हुआ। इसी तरह परमात्मा ट्रेडर्स, भागूटोला से 50 बोरी यानी 20 क्विंटल और अजय नाग, तरेगांव जंगल के यहां से 11 बोरी यानी 4.40 क्विंटल धान जब्त किया गया। इस तरह पांचों स्थानों से कुल 216 बोरी धान जब्त कर नियमानुसार कार्रवाई की गई।

जिला प्रशासन के मुताबिक, आगामी धान खरीदी व्यवस्था को पारदर्शी और सुचारू बनाए रखने के लिए अवैध भंडारण, अनियमित कारोबार और बिचौलियों की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है। दर्ज प्रकरणों में आगे की कार्रवाई की जा रही है।प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि धान खरीदी सीजन के दौरान नियमों के उल्लंघन और अवैध कारोबार से जुड़े मामलों में जांच और कार्रवाई जारी रहेगी।

24.70 लाख की लागत से बना महतारी सदन, महिला सशक्तिकरण का बना केंद्र

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए महतारी सदन योजना के तहत सुविधाजनक भवन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इसी कड़ी में सरगुजा जिले के आकांक्षी विकासखंड लखनपुर के ग्राम पुहपुटरा में 24.70 लाख रुपये की लागत से निर्मित महतारी सदन महिला स्व-सहायता समूहों के लिए उपयोगी साबित हो रहा है। पहले समूह की महिलाओं को बैठक के लिए कभी किसी सदस्य के घर तो कभी पेड़ों की छांव का सहारा लेना पड़ता था। अब महतारी सदन बनने से उन्हें सुरक्षित और सुविधाजनक स्थान मिल गया है, जहां वे खुलकर आजीविका गतिविधियों पर चर्चा कर रही हैं।

वर्ष 2024-25 में हुआ स्वीकृत

ग्राम पुहपुटरा में महतारी सदन का निर्माण वित्तीय वर्ष 2024-25 में स्वीकृत योजना के तहत 24.70 लाख रुपये की लागत से किया गया है। भवन में बैठने की समुचित व्यवस्था के साथ शौचालय सहित आवश्यक सुविधाएं हैं। इससे गांव के विभिन्न महिला समूहों को नियमित बैठक और सामूहिक गतिविधियों में सहूलियत मिल रही है।

लक्ष्य महिला स्व-सहायता समूह की अध्यक्ष बिंदेश्वरी राजवाड़े बताती हैं कि समूह गठन के शुरूआती दिनों में बैठक के लिए निश्चित स्थान नहीं था। कभी किसी सदस्य के घर तो कभी पेड़ के नीचे बैठक करनी पड़ती थी। सार्वजनिक स्थानों पर भीड़ के कारण महिलाएं अपनी समस्याओं और आजीविका से जुड़े विषयों पर खुलकर चर्चा नहीं कर पाती थीं। उन्होंने बताया कि महतारी सदन बनने से यह परेशानी दूर हो गई है। अब सभी महिलाएं सुरक्षित स्थान पर एकत्र होकर बिना संकोच अपने विचार रखती हैं। उन्होंने इसके लिए मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया।

सहायक प्रोग्रामर एवं लेखापाल के संविदा पदों हेतु पात्र-अपात्र अभ्यर्थियों की सूची जारी

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। कार्यालय कलेक्टर एवं जिला कार्यक्रम समन्वयक (वीबी-ग्रामजी), जिला सरगुजा द्वारा जनपद पंचायत स्तर पर सहायक प्रोग्रामर एवं लेखापाल के संविदा पदों पर भर्ती हेतु प्राप्त आवेदनों के प्रारंभिक परीक्षण उपरांत पात्र एवं अपात्र अभ्यर्थियों की सूची जारी कर दी गई है। प्रकाशित सूची के संबंध में अभ्यर्थियों से 10 नवंबर 2026 तक दावा-आपत्तियां आमंत्रित की गई हैं। कार्यालय द्वारा उक्त संविदा पदों की पूर्ति हेतु 25 सितम्बर 2026 को विज्ञापन प्रकाशित कर 10 अक्टूबर 2026 तक निर्धारित प्रारूप में स्पीड पोस्ट अथवा पंजीकृत डाक के माध्यम से आवेदन आमंत्रित किए गए थे। निर्धारित अवधि में दोनों पदों के लिए कुल 267 आवेदन प्राप्त हुए, जिनका चयन समिति द्वारा प्रारंभिक परीक्षण किया गया। प्रारंभिक परीक्षण में सहायक प्रोग्रामर (संविदा) के विज्ञापित 02 पदों के लिए प्राप्त 139 आवेदनों में से 108 अभ्यर्थी पात्र एवं 31 अपात्र पाए गए। इसी प्रकार लेखापाल (संविदा) के विज्ञापित 07 पदों के लिए प्राप्त 128 आवेदनों में से 111 अभ्यर्थी पात्र एवं 17 अपात्र पाए गए।

शंकर प्रसाद बने चित्रकूट के जिला अध्यक्ष

चित्रकूट ।अखिल भारतीय नगरीय निकाय एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष दिलीप कुमार दीक्षित के निदेशानुसार जिला चित्रकूट में संगठन का विस्तार करते हुए शंकर प्रसाद को जनपद चित्रकूट का जिला अध्यक्ष मनोनीत किया गया है। यह मनोनयन राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा जारी नियुक्ति पत्र क्रमांक 018 दिनांक 27/10/2026 के माध्यम से किया गया। नियुक्ति के उपरांत संगठन के पदाधिकारियों और कार्यकताओं में हर्ष की लहर है। शंकर प्रसाद जी लंबे समय से शिक्षा और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में सक्रिय हैं। चित्रकूट इंटर कॉलेज कर्वी में अध्यापन के साथ-साथ सामाजिक गतिविधियों में उनका सराहनीय योगदान रहा है।

सरगुजा इलेवन ने तपकरा को 3-0 से हराकर फाइनल में बनाई जगह

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। नगर के गांधी स्टेडियम में चल रही संभाग स्तरीय नॉकआउट-कम-लीग फुटबॉल प्रतियोगिता 2026 का रोमांच चरम पर है। प्रतियोगिता के दूसरे सेमीफाइनल में आज सरगुजा इलेवन और तपकरा के बीच कांटे का मुकाबला देखने को मिला, जिसमें सरगुजा इलेवन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 3-0 से जीत दर्ज कर फाइनल में प्रवेश कर लिया। मैच के प्रथम हाफ में दोनों टीमों ने बेहतरीन तालमेल और आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया। दोनों टीमों ने कई बार गोलपोस्ट पर हमला बोला, लेकिन मजबूत डिफेंस के चलते कोई भी टीम गोल करने में सफल नहीं हो सकी। मध्यांतर तक

स्कोर 0-0 रहा। दूसरे हाफ में सरगुजा इलेवन ने रणनीति बदलते हुए आक्रामक रुख अपनाया। बेहतरीन पासिंग और टीम वर्क के दम पर सरगुजा ने पहला गोल दागकर 1-0 की बढ़त बना ली। इसके बाद तपकरा टीम ने वापसी की कोशिश की, लेकिन सरगुजा के डिफेंडरों ने उनके हर प्रयास को नाकाम कर दिया। मैच के अंतिम 10 मिनट में सरगुजा इलेवन ने लगातार दो और गोल कर स्कोर 3-0 कर दिया और जीत पक्की कर ली। आज के मैच के मुख्य अतिथि के रूप में थोक फल विक्रेता संघ अध्यक्ष संतोष सोनकर, सचिव जितेंद्र गुप्ता और जिला फुटबॉल संघ के संरक्षक जगजीत मिंज उपस्थित रहे। अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया और फुटबॉल को बढ़ावा देने की बात कही। मैच के निर्णायक की भूमिका में विलसन, सुशील, शिव, ललित किशोर और दिनेश तिर्की रहे। इस अवसर पर जिला फुटबॉल संघ के कार्यकारिणी सदस्य दीपक कुजूर, कमलेश किस्पोट्टा, अखिलानंद, मंगल सहित बड़ी संख्या में खेल प्रेमी और दर्शक उपस्थित थे। प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला आज सरगुजा इलेवन और बलसेड़ी के बीच गांधी स्टेडियम में ही खेला जाएगा। दोनों टीमें पूरे टूर्नामेंट में अपराजित रही हैं, ऐसे में फाइनल में कड़े मुकाबले की उम्मीद है।

विद्यालयों में मनाया गया ई-कचरा प्रबंधन दिवस

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रामानुजनगर ।ईको क्लब फॉर मिशन लाइफ के अंतर्गत 28 अक्टूबर को सूरजपुर जिले के विभिन्न शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों में ई-कचरा प्रबंधन दिवस मनाया गया। जिला कलेक्टर रेना जामिल, जिला शिक्षा अधिकारी अशोक सिन्हा एवं डीएमसी मनोज साहू के निर्देशन तथा विकासखंड शिक्षा अधिकारी अवधेश साहू एवं खंड स्रोत समन्वयक विजय साहू के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों को ई-कचरे के दुष्प्रभाव और सुरक्षित निपटान की जानकारी दी गई।

माध्यमिक शाला पतरापाली में जागरूकता कार्यक्रम

शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला पतरापाली में आयोजित कार्यक्रम में खंड स्रोत समन्वयक विजय साहू शामिल हुए। शिक्षक अनीता सिंह, रघुनाथ जायसवाल एवं योगेश साहू ने बच्चों को पुराने मोबाइल, बैटरी, चार्जर, कंप्यूटर और अन्य अनुपयोगी इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के सुरक्षित प्रबंधन के बारे में बताया। शिक्षकों ने 3 आर सिद्धांत - रिडुस (कम उपयोग), रियूज (पुनः उपयोग) और रिसायकल (पुनर्चक्रण) की जानकारी देते हुए समझाया कि ई-कचरे को खुले में फेंकने या जलाने से मिट्टी, पानी और वायु प्रदूषित होते हैं। इसे अलग एकत्र कर अधिकृत रिसायकलर को देना चाहिए। विद्यालय में नारा लेखन एवं प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम भी आयोजित हुआ। बीआरसी विजय साहू ने विद्यार्थियों को नियमित पढ़ाई करने, जिज्ञासु बनने और बिना हिचक शिक्षकों से प्रश्न पूछने के लिए प्रेरित किया।

रामानुजनगर विद्यालय में भी आयोजन

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रामानुजनगर के माध्यमिक विभाग में शिक्षक बिहारी लाल साहू, प्रकाश जोल्हे एवं योगेश साहू द्वारा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। यहां भी विद्यार्थियों को ई-कचरे के संग्रहण, पुनः उपयोग और पुनर्चक्रण की जानकारी दी गई। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जिम्मेदारी विकसित करना और उन्हें अपने परिवार व समुदाय में जागरूकता फैलाने के लिए प्रेरित करना रहा।

कोयला गाड़ियों की आवाजाही से अंबिकापुर-बनारस मार्ग बदहाल, सोनगरा से जरही तक धूल के गुबार से लोग परेशान

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जरही। अंबिकापुर-बनारस मुख्य मार्ग पर सोनगरा से जरही तक सड़क की बदहाल स्थिति ने राहगीरों और स्थानीय व्यापारियों की परेशानी बढ़ा दी है। सड़क पर उड़ते धूल के गुबार से लोगों का जीना मुहाल हो रहा है। दिन में भी विजिबिलिटी कम हो रही है, वहीं रात में इस मार्ग पर चलना जोखिम भरा बन गया है।

कोयला गाड़ियों की आवाजाही बनी वजह?

स्थानीय लोगों का आरोप है कि चेन्नई राधा कंपनी की कोयला लोड गाड़ियों की लगातार आवाजाही से सड़क की हालत बिगड़ी है। भारी वाहनों के नियमित परिवहन से सड़क जगह-जगह से उखड़ गई है और गड्ढे बन गए हैं। हालांकि इसके आधिकारिक कारणों की पुष्टि अभी बाकी है, लेकिन लोगों ने परिवहन नियमों और सड़क की स्थिति की जांच की मांग की है।

व्यापार चौपट, दोपहिया चालकों को खतरा

धूल का असर केवल आवागमन तक सीमित नहीं है। सड़क किनारे दुकानों में धूल भरने से व्यापारियों का कारोबार प्रभावित हो रहा है। ग्राहक दुकानों पर आने से कतरा रहे हैं। सबसे ज्यादा परेशानी दोपहिया वाहन चालकों को हो रही है। धूल के कारण सामने से आ रहे वाहनों को देख पाना मुश्किल हो रहा है,

जिससे हादसे का खतरा बना हुआ है। रात के समय भारी वाहनों की आवाजाही के बीच यह खतरा और बढ़ जाता है।

नियमों के पालन पर सवाल

स्थानीय लोगों का कहना है कि भारी वाहन लगातार गुजर रहे हैं, लेकिन धूल नियंत्रण के लिए पानी का छिड़काव, सड़क मरम्मत या परिवहन की निगरानी जैसे कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। लोगों ने मांग की है कि यदि परिवहन में नियमों का उल्लंघन हो रहा है तो जिम्मेदारों पर कार्रवाई हो। अंबिकापुर-बनारस जैसे महत्वपूर्ण मार्ग की बदहाली को लेकर लोगों में नाराजगी है। लोगों को उम्मीद है कि प्रशासन और सड़क विभाग जल्द सड़क की मरम्मत और धूल नियंत्रण के लिए ठोस कदम उठाएगा, ताकि हादसों को रोका जा सके।

लंगड़ी से इरगवां पहुंच मार्ग का निर्माण पूर्ण, 10 गांवों को मिलेगी बारहमासी आवागमन की सुविधा

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। सरगुजा जिले के लुण्ड्रा विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत विकासखंड लखनपुर में पलंगड़ी से इरगवां पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया गया है। लोक निर्माण विभाग द्वारा निर्मित इस 3.70 किलोमीटर लंबे मार्ग से क्षेत्र के 10 ग्रामों के ग्रामीणों को वर्षभर सुगम आवागमन की सुविधा मिलेगी। साथ ही विकासखंड एवं जिला मुख्यालय तक पहुंच आसान होगी। लोक निर्माण विभाग (भवन एवं सड़क) संभाग, अम्बिकापुर से प्राप्त जानकारी के अनुसार छत्तीसगढ़ शासन द्वारा 24 दिसंबर 2024 को उक्त कार्य के लिए 602.58 लाख रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई थी। इसके अंतर्गत 3.05 किलोमीटर बी.टी. सड़क

एवं 0.65 किलोमीटर सी.सी. सड़क का निर्माण किया गया है। मार्ग की चैड़ाई 3.75 मीटर है। इसके अतिरिक्त 06 पाइप पुलिया, 04 स्लैब कल्वर्ट तथा नाले पर 02 मध्यम पुलों का निर्माण किया गया है, जिनमें क्रमशः 2 स्पान 6 मीटर एवं 3 स्पान 8 मीटर की संरचनाएं शामिल हैं। इस मार्ग से रजपुरी, धनपुरी, टपरकेला, अमदला, चांदो, बेलदगी, पलंगड़ी, इरगवां, अमलभिट्ठी एवं देवीटिकरा ग्रामों के ग्रामीण लाभान्वित होंगे। सड़क निर्माण से विद्यार्थियों को विद्यालय आने-जाने, किसानों को कृषि उपज बाजार एवं मंडियों तक पहुंचाने तथा ग्रामीणों को स्वास्थ्य एवं अन्य आवश्यक सेवाओं का लाभ लेने में सुविधा होगी। विशेषकर बरसात के दौरान आवागमन में होने वाली कठिनाइयों से राहत मिलने के साथ क्षेत्र की कृषि एवं व्यापारिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा।

आरटीआई संचालन को लेकर दो दिवसीय प्रशिक्षण सम्पन्न

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

भैयाथान। जिले में सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के प्रभावी और सुव्यवस्थित क्रियान्वयन तथा आरटीआई ऑनलाइन पोर्टल के सुचारू संचालन के लिए विकासखंड भैयाथान में दो दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। कलेक्टर रेना जामिल के निर्देश और जिला पंचायत सीईओ विनय गुप्ता के मार्गदर्शन में 26 और 28 अक्टूबर को जनपद पंचायत सभाकक्ष में एक-एक दिवसीय प्रशिक्षण दो चरणों में सम्पन्न हुआ। प्रशिक्षण में विभिन्न विभागों के जन सूचना अधिकारियों (पीआईओ) और प्रथम अपीलीय अधिकारियों

(एफएओ) को अधिनियम के प्रावधानों और ऑनलाइन पोर्टल की प्रक्रिया की जानकारी दी गई।

मास्टर ट्रेनरों ने दिया मार्गदर्शन

प्रशिक्षण में जिला मास्टर ट्रेनर संतोष कुमार उपाध्याय (व्याख्याता) और रमेश कुमार गुप्ता (प्रभारी प्राचार्य), ब्लॉक मास्टर ट्रेनर उत्तरा यादव (सहायक विकास विस्तार अधिकारी) और शिवेंद्र जायसवाल (ब्लॉक लेवल मास्टर ट्रेनर) ने पीआईओ और एफएओ की जिम्मेदारियों, आवेदन प्रक्रिया और पोर्टल संचालन पर विस्तार से मार्गदर्शन दिया। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य सभी जन सूचना अधिकारियों को ऑनलाइन व्यवस्था से जोड़ना और आरटीआई पोर्टल पर ऑनबोर्डिंग प्रक्रिया पूरी कराना था। इससे आवेदनों का समय पर निराकरण, पारदर्शिता और प्रशासनिक जवाबदेही और अधिक प्रभावी होगी। इस प्रशिक्षण में विकासखंड भैयाथान के ग्राम पंचायत सचिव, उचित मूल्य दुकानों के संचालक, हाई स्कूल-हायर सेकेंडरी स्कूलों के प्राचार्य और विभिन्न विभागों के पीआईओ/एफएओ शामिल हुए। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को अधिनियम के नियमानुसार पालन और ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से कार्यों के व्यवस्थित संचालन के लिए प्रेरित किया गया।

एशिया की सबसे बड़ी कोयला खदान गेवरा में मानव श्रृंखला से गूँजा सत्यनिष्ठा से समृद्धि का संदेश

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

गेवरा। एशिया की सबसे बड़ी कोयला खदान गेवरा के व्यू प्वाइंट पर मानव श्रृंखला बनाकर एसईसीएल के अधिकारियों और कर्मचारियों ने सतर्कता, पारदर्शिता और सत्यनिष्ठा के प्रति प्रतिबद्धता व्यक्त की। सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2026 के अंतर्गत गेवरा क्षेत्र में आयोजित संकल्प दिवस का यह मुख्य आकर्षण रहा, जिसमें 'सत्यनिष्ठा से समृद्धि' का संदेश दिया गया। केंद्रीय सतर्कता आयोग नई दिल्ली के निर्देश पर 26 अक्टूबर से 1 नवंबर तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया जा रहा है। संकल्प दिवस कार्यक्रम में एसईसीएल के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक हरीश दुहन मुख्य अतिथि रहे। इस अवसर पर निदेशक (मानव संसाधन) बिरंची दास, निदेशक (वित्त) डी. सुनील कुमार वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से, मुख्य सतर्कता अधिकारी हिमांशु जैन, गेवरा क्षेत्र के महाप्रबंधक अशोक कुमार सहित विभागाध्यक्ष, अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

सीएमडी ने दिलाई सत्यनिष्ठा की शपथ

सीएमडी हरीश दुहन ने सभी को सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि इस वर्ष की थीम 'सत्यनिष्ठा से समृद्धि' के संदेश को जन-जन तक पहुँचाने के लिए एसईसीएल में जनजागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। तकनीक के माध्यम से कार्यप्रणाली में और अधिक पारदर्शिता और दक्षता लाने का प्रयास है। कार्यक्रम में 'एक पेड़ सतर्कता के नाम' पहल के तहत पौधारोपण भी किया गया। एसईसीएल में सतर्कता जागरूकता सप्ताह के दौरान स्कूली बच्चों के लिए प्रतियोगिताएँ, जनजागरूकता अभियान और अन्य गतिविधियाँ आयोजित की जा रही हैं, ताकि पारदर्शी कार्यसंस्कृति को बढ़ावा मिले और भ्रष्टाचार मुक्त समाज के प्रति जागरूकता बढ़े।

सम्पादकीय

ऊर्जा सुरक्षा मजबूत करने की तैयारी

ऊर्जा सुरक्षा किसी भी देश की आर्थिक स्वतंत्रता की बुनियाद है। भारत जैसे देश के लिए यह चुनौती और बड़ी है, जहां परिवहन से लेकर उद्योगों तक की ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा कच्चे तेल से पूरा होता है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें बढ़ती हैं तो महंगाई का दबाव बढ़ता है, विदेशी मुद्रा भंडार पर बोझ पड़ता है और अर्थव्यवस्था की गति प्रभावित होती है। इसलिए पेट्रोल के घरेलू विकल्प विकसित करना केवल पर्यावरण संरक्षण का प्रयास नहीं, बल्कि आर्थिक आत्मनिर्भरता की अनिवार्य जरूरत है। केंद्र सरकार ने 100% एथेनॉल यानी ई-100 ईंधन से चलने वाले वाहनों के लिए मोटर वाहन नियमों में संशोधन कर इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। 23 अक्टूबर 2026 की अधिसूचना से ऐसे वाहनों के लिए नियामकीय रास्ता साफ हुआ है। सरकार की एथेनॉल नीति अब तक उत्साहजनक परिणाम दे चुकी है। पेट्रोल में एथेनॉल मिलाने का कार्यक्रम वर्ष 2003 में शुरू हुआ था, लेकिन 2013-14 में इसकी औसत मिलावट केवल 1.53% थी। सरकार ने उत्पादन क्षमता बढ़ाने, एथेनॉल की खरीद के लिए मूल्य व्यवस्था बनाने और चीनी मिलों व अन्य उत्पादकों को प्रोत्साहन देने जैसे कदम उठाए। नतीजा यह हुआ कि 2021-22 में 10 प्रतिशत मिश्रण का लक्ष्य निर्धारित समय से पहले हासिल हो गया और 2025-26 में औसत मिश्रण 20% तक पहुंच गया। वर्ष 2030 के लिए निर्धारित लक्ष्य को पांच साल पहले प्राप्त करना नीति के प्रभावी क्रियान्वयन का उदाहरण है। आंकड़ों के मुताबिक, 2014 में एथेनॉल उत्पादन क्षमता लगभग 421 करोड़ लीटर थी, जो 2026 में बढ़कर करीब 2,000 करोड़ लीटर हो गई। इस कार्यक्रम का लाभ केवल तेल आयात में कमी तक सीमित नहीं है। पेट्रोलियम मंत्रालय के अनुसार, एथेनॉल खरीद से पिछले 11 वर्षों में किसानों को लगभग 1.21 लाख करोड़ रुपये की आय हुई और करीब 1.40 लाख करोड़ रुपये की विदेशी मुद्रा बची। एथेनॉल का उत्पादन गन्ने, मक्का और अन्य जैविक स्रोतों से किया जा सकता है। इससे कृषि उपज के लिए अतिरिक्त बाजार तैयार होता है और ग्रामीण क्षेत्रों में प्रसंस्करण उद्योगों तथा रोजगार की संभावनाएं बढ़ती हैं। पानीपत और नुमालीगढ़ की रिफाइनरियों में पराली, बांस और अन्य जैविक अवशेषों से एथेनॉल उत्पादन की पहल इस दिशा में महत्वपूर्ण है। ई-100 की मंजूरी इसी नीति का अगला चरण है। सामान्य पेट्रोल में एथेनॉल मिलाने और लगभग शुद्ध एथेनॉल पर चलने वाले वाहन में बुनियादी अंतर है। ई-100 के लिए वाहन निर्माता कंपनियों को विशेष रूप से डिजाइन और प्रमाणित फ्लेक्स-फ्यूल वाहन तैयार करने होंगे। मौजूदा पेट्रोल या ई-20 वाहनों में सीधे ई-100 डालना सुरक्षित नहीं है। एथेनॉल से कुछ प्रदूषकों और जीवाश्म कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने की संभावना है, लेकिन इसके पर्यावरणीय लाभ का आकलन उत्पादन से लेकर इस्तेमाल तक के पूरे चक्र के आधार पर होना चाहिए। ई100 वाहनों की तकनीक, ईंधन केंद्रों का विस्तार, किफायती कीमत और उपभोक्ताओं के हितों की सुरक्षा पर समयबद्ध काम जरूरी है। साथ ही, एथेनॉल के साथ विद्युत वाहन, सौर ऊर्जा और अन्य वैकल्पिक ईंधनों को भी बढ़ावा देना चाहिए। ऊर्जा आत्मनिर्भरता का अर्थ केवल पेट्रोल का विकल्प तलाशना नहीं, बल्कि आयात पर निर्भरता घटाने वाला विविध और टिकाऊ ऊर्जा तंत्र तैयार करना है। ई-100 की मंजूरी इस दिशा में सार्थक कदम है। इसके साथ ही भारत ने ऊर्जा सुरक्षा मजबूत करने की दिशा में कदम बढ़ा दिया है।

अरुणाचल में फिर आमने-सामने

सीमा सुरक्षा
ओमकार चौधरी

अरुणाचल प्रदेश में भारत और चीन की सेनाओं के बीच एक बार फिर जारी गतिरोध ने सीमा सुरक्षा और सरकार की रणनीति पर सवाल खड़े कर दिए हैं। भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के महानिदेशक शत्रुजीत कपूर ने 22 अक्टूबर को स्वीकार किया कि अरुणाचल के कई स्थानों पर चीनी सैनिकों से आमना-सामना हुआ है। सरकारी सूत्रों के अनुसार, अपर सुबनसिरी जिले के असाफिला क्षेत्र में जुलाई के अंत से गतिरोध जारी है। हालांकि, अब तक किसी हिंसक झड़प की सूचना नहीं है, लेकिन सैन्य गतिविधियों और बातचीत के नतीजों पर स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है। ऐसे में सवाल है कि सीमा पर वास्तविक स्थिति क्या है और सरकार पारदर्शिता व कूटनीति के बीच संतुलन कैसे बनाएगी?

अरुणाचल प्रदेश में भारत और चीन की सेनाएं एक बार फिर आमने-सामने हैं और इस बार इसकी पुष्टि किसी अनाम सूत्र ने नहीं, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के महानिदेशक शत्रुजीत कपूर ने खुद की है। 22 अक्टूबर 2026 को राजस्थान के अलवर में बल के वार्षिक हिमवीर सम्मान समारोह में कपूर ने कहा कि पिछले कुछ समय में अरुणाचल की कई जगहों पर चीनी सैनिकों से आमना-सामना हुआ है और यह स्थिति अभी भी बनी हुई है। पूर्वी सेक्टर में जारी तनाव की आईटीबीपी प्रमुख की ओर से यह पहली सार्वजनिक स्वीकारोक्ति है, लेकिन सामरिक महत्व की यह सूचना सार्वजनिक करनी चाहिए थी या नहीं और उन्हें इसके लिए अधिकृत किया गया था या नहीं, इसे लेकर बहस भी शुरू हो गई है। कपूर ने बल के शौर्य कमांडो की भूमिका की सराहना की और चीन को भारत का सबसे बड़ा विरोधी बताया। उन्होंने ड्रोन क्षमता बढ़ाने, ऊंचाई वाले इलाकों में युद्ध की तैयारी, और तोपखाने व हवाई बमबारी से बचाव के लिए भूमिगत बंकर बनाने की योजनाओं की भी जानकारी दी। सरकारी सूत्रों के अनुसार गतिरोध जुलाई के आखिर से अपर सुबनसिरी जिले के ताकसिंग सर्कल के असाफिला क्षेत्र में चल रहा है। चीनी सेना (पीएलए) ने माजा कंपनी ऑपरेटिंग बेस के पास, एलएसी की भारतीय समझ के 6-7 किलोमीटर के दायरे में, एक ऊंचाई पर तंबू गाड़ रखे हैं। स्थानीय लोगों के मुताबिक यह आमना-सामना 25 जुलाई के आसपास नियमित गश्त के दौरान शुरू हुआ। अब तक किसी हिंसक झड़प, हथियार के इस्तेमाल या किसी के घायल होने की कोई रिपोर्ट नहीं है। आईटीबीपी प्रमुख ने बाकी टकराव स्थलों के नाम नहीं बताए।तनाव कम करने के लिए 6 और 7 सितंबर को वाचा (भारत) और दमाई (चीन) में पूर्वी सेक्टर में पहली बार कोर कमांडर स्तर की बातचीत हुई। भारतीय दल का नेतृत्व 3 कोर के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल गिरीश कालिया ने किया। विदेश मंत्रालय ने बैठक की पुष्टि तो की, लेकिन उसका नतीजा सार्वजनिक नहीं किया। इसके कुछ ही दिन बाद, 12 सितंबर को, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की। सरकार या भाजपा की ओर से इन आरोपों पर अब तक कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। आईटीबीपी सूत्रों ने स्पष्ट किया कि महानिदेशक का बयान सीमा पर नियमित ऑपरेशनल तैयारी के संदर्भ में था, किसी खास घटना से जुड़ा नहीं । इस मामले में सेना का रुख भी गौर करने लायक है। चीन लगभग 90,000 वर्ग किलोमीटर, यानी करीब पूरे अरुणाचल पर दावा करता है और इसे ज़ांगनान या दक्षिण तिब्बत कहता है। विवाद की जड़ 1914 का शिमला सम्मेलन है, जहां ब्रिटिश भारत के विदेश सचिव सर हेनरी मैकमोहन ने भारत और तिब्बत के बीच 890 किलोमीटर लंबी सीमा रेखा खींची। चीनी प्रतिनिधि ने इसे स्वीकार नहीं किया, और बीजिंग आज भी कहता है कि तिब्बत को ऐसा समझौता करने का अधिकार नहीं था। 1962 के युद्ध में पीएलए लगभग पूरे तत्कालीन नेफा तक आ गई थी, लेकिन एकतरफ़ा युद्धविराम के बाद मैकमोहन रेखा तक लौट गई। विवाद केवल अरुणाचल तक सीमित नहीं है। भारत के अनुसार

3,488 किलोमीटर लंबी सीमा के पश्चिमी छोर पर अक्साई चिन का लगभग 38,000 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र चीन के कब्जे में है। 1963 में पाकिस्तान ने शक्सगाम घाटी का 5,180 वर्ग किलोमीटर हिस्सा चीन को सौंप दिया, जिसे भारत मान्यता नहीं देता। मध्य सेक्टर में उत्तराखंड का बाराहोती और हिमाचल के कौरिक व शिपकी ला भी विवादित हैं। 1960 में चाउ एनलाई ने अक्साई चिन के बदले नेफा पर दावा छोड़ने का प्रस्ताव दिया था, जिसे भारत ने ठुकरा दिया था। बीते एक दशक में यह विवाद नक्शों तक पहुंच गया है। चीन अब तक छह सूचियों में अरुणाचल की 112 जगहों के नाम बदल चुका हैः 2017 में 6, 2021 में 15, 2023 में 11, 2024 में 30, 2025 में 27 और 2026 में 23। अरुणाचल में ताकसिंग पहला टकराव नहीं है। 20 अक्टूबर 1975 को तवांग के तुलुंग ला में चीनी सैनिकों ने घात लगाकर असम राइफल्स के चार जवानों को मार दिया था। भारत के अनुसार यह हमला उसकी सीमा के 500 मीटर भीतर हुआ। उस समय इंदिरा गांधी सरकार ने अधिकारियों के जरिए बीजिंग से कड़ा विरोध दर्ज कराया था, लेकिन प्रधानमंत्री का कोई सीधा सार्वजनिक बयान दर्ज नहीं मिलता। 1986 में चीन ने तवांग के सुमदोरोंग चू में वांगडुंग चरागाह पर ढांचे खड़े कर दिए। भारत ने राजदूत को तलब कर विरोध जताया और इलाके में तीन डिवीजन तक सैनिक तैनात किए। राजीव गांधी दिसंबर 1988 में चीन गए, और वांगडुंग से सैनिकों की वापसी आखिरकार 1995 में हुई। इसके बाद तवांग का यांग्त्से बार-बार टकराव का केंद्र बना। सितंबर 2016 में करीब 200 पीएलए सैनिक वहां घंटों डटे रहे, और अक्टूबर 2021 में भी गश्ती टुकड़ियां आमने-सामने आईं। इन दोनों मौकों पर सरकार की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया, और जानकारी सूत्रों के जरिए ही सामने आई। 9 दिसंबर 2022 को यांग्त्से में कील लगे डंडों से हिंसक झड़प हुई, जिसमें छह गंभीर रूप से घायल भारतीय सैनिकों को गुवाहाटी ले जाना पड़ा। देश के बाकी हिस्सों में भी 1967 में नाथू ला, 2013 में देपसांग, 2017 में डोकलाम और 2020 में गलवान जैसे टकराव हुए। गलवान में 20 भारतीय सैनिक शहीद हुए। यह 1975 के बाद भारत-चीन सीमा पर जान जाने की पहली घटना थी। इसके बाद 19 जून 2020 को प्रधानमंत्री ने कहा था कि न कोई भारतीय सीमा में घुसा है और न ही कोई चौकी किसी के कब्जे में है। सीमा विवाद सुलझाने के लिए 2003 में बना विशेष प्रतिनिधि तंत्र अब तक 25 दौर की बातचीत कर चुका है। ताजा दौर 25 अगस्त 2026 को बीजिंग में अजीत डोभाल और वांग यी के बीच हुआ, जिसमें पूर्वी और मध्य सेक्टर में नई सैन्य हॉटलाइन पर सहमति बनी। सीमा मामलों पर परामर्श तंत्र (डब्ल्यूएमसीसी) की 36 बैठकें हो चुकी हैं, और लद्दाख में 2020 के बाद कोर कमांडरों के बीच 21 दौर की बातचीत हुई।जमीन पर भारत की रणनीति भी बदली है। दशकों तक सीमा के पास सड़कें न बनाने की नीति के बाद 2006 में 73 रणनीतिक सड़कों की परियोजना को मंजूरी मिली, जो 2017 के डोकलाम गतिरोध के बाद तेज हुई। 2024 में खुली सेला सुरंग अब तवांग को साल भर जोड़े रखती है। 1962 के बाद छोड़ी गई अरुणाचल की सात हवाई पट्टियां फिर से चालू हो चुकी हैं, और लद्दाख का न्योमा नवंबर 2025 में पूर्ण एयरबेस बन गया। इन सब के बीच कई सवाल अब भी अनुत्तरित हैंः कोर कमांडर वार्ता का नतीजा क्या निकला, आईटीबीपी प्रमुख ने किन जगहों पर टकराव की बात कही, और गश्ती बिंदुओं को लेकर स्थानीय लोगों के दावों में कितना दम है। इन पर सरकार की ओर से अभी आधिकारिक जवाब आना बाकी है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

दिवस विशेष
डॉ. मोनिका शर्मा

विरासत को सहेजने के लिए सार्थक प्रयास जरूरी

भारत की सांस्कृतिक विरासत अपनी बहुरंगी विविधता के लिए विश्व भर में प्रसिद्ध है। बात चाहे मूर्त विरासत यानी ऐतिहासिक भवनों, किलों और स्मारकों की अनूठी वास्तुकला की हो या अमूर्त विरासत जैसे परंपराओं, लोकगीतों, शास्त्रीय नृत्य, त्योहारों की। हमारे देश के सांस्कृतिक रंग सचमुच अनूठे हैं। हमारी भाषाएं, दर्शन, बोलियां, योग, आयुर्वेद और प्राचीन ग्रंथ भी अनमोल धरोहर ही हैं। आमजन तक सहज पहुंच बनाकर ही इस थाती को सहेजा का सकता है। हालिया बरसों में दुनिया के हर हिस्से में ही अपनी धरोहर को सहेजने के रंग-ढंग बदले हैं। अब आधुनिक तकनीकों, नई पद्धतियों और पेशेवर विशेषज्ञों की भूमिका अहम हो चली है। विश्व दृश्य-श्रव्य विरासत दिवस का मुख्य उद्देश्य धरोहर के संरक्षण से जुड़ा यही पहलू लिए है। ध्यातव्य है कि संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) द्वारा वर्ष 2005 में अपने 33वें आम सम्मेलन में यह दिन मनाने की घोषणा की थी। ज्ञात हो कि रेडियो, फिल्म, टेलीविजन और साउंड रिकॉर्डिंग जैसी दृश्य-श्रव्य सामग्रियों के संरक्षण के महत्व को लेकर जनमानस में जागरूकता लाना भी इसका मुख्य उद्देश्य है। साथ ही वर्ल्ड डे ऑफ ऑडियो-विजुअल हैरिटेज हमारी साझी स्मृतियों और सांस्कृतिक धरोहर को सुरक्षित रखने वाले कामकाजी विशेषज्ञों और संस्थानों के योगदान को सम्मान देने का भी संदेश देता है। सुखद है कि भारत में ऑडियो-विजुअल सामग्रियों के रूप में सांस्कृतिक विरासत को सहेजने के लिए कई महत्वपूर्ण उठाए गए हैं। विरासत के संरक्षण हेतु डिजिटलीकरण और प्रचार हेतु बहत सी पहल की गई हैं। नेशनल फिल्म हेरिटेज मिशन, नेशनल कल्चरल ऑडियो-विजुअल आर्काइव्स, अभिलेख पटल और जटान एवं वेव्स जैसी कई पहल भावी पीढ़ियों के लिए विरासत के संरक्षण का काम कर रही हैं। नेशनल फिल्म हेरिटेज मिशन द्वारा सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय और नेशनल फिल्म आर्काइव्स ऑफ इंडिया के माध्यम से उत्कृष्ट भारतीय फिल्मों, वृत्तचित्रों और शॉर्ट फिल्मों का संरक्षण, डिजिटलीकरण और पुनर्स्थापन किया जा रहा है। वहीं नेशनल कल्चरल ऑडियो-विजुअल आर्काइव्स द्वारा देश भर के संस्थानों में उपलब्ध दुर्लभ व संकटग्रस्त ऑडियो-विजुअल रिकॉर्डिंग्स को डिजिटाइज कर ऑनलाइन उपलब्ध कराया जा रहा है। भारतीय राष्ट्रीय अभिलेखागार द्वारा संचालित अभिलेख पटल भी एक डिजिटल रिपॉजिटरी ही है। यह ऐतिहासिक दस्तावेजों और रिकॉर्ड्स का ऑनलाइन पटल है। संस्कृति मंत्रालय और सी-डेक पुणे द्वारा विकसित जटान सॉफ्टवेयर विभिन्न संग्रहालयों की सामाग्री डिजिटल रूप में सुरक्षित करने में जुटा है। ज्ञात हो कि वर्ल्ड डे ऑफ ऑडियो-विजुअल हैरिटेज की 2026 की थीम 'प्रोटेक्टिंग मेमोरी एट रिस्क' है। यह विषय फिल्मों, ऑडियो टेपों और चलचित्रों के रूप में विरासत की सामूहिक स्मृतियों को बचाने से जुड़ा है। समझना कठिन नहीं कि 'खतरे में पड़ी स्मृति की सुरक्षा करना' यह विषय संकटग्रस्त धरोहरों को सहेजने का रेखांकित करने योग्य संदेश देती है। बीते कुछ बरसों में तेजी से बढ़ते शहरीकरण और प्रदूषण से कई ऐतिहासिक धरोहर खतरे में हैं। विश्व दृश्य-श्रव्य विरासत दिवस नई पीढ़ी को भी यह याद दिलाता है कि तकनीकी संसार से जुड़कर डिजिटल युग में आगे बढ़ते हुए अपनी विरासत से भी जुड़े रहें। वस्तुतः, संरक्षण के साथ यह दिवस प्रत्येक व्यक्ति को दृश्य-श्रव्य ध्वनियों के प्रति सजग-संवेदनशील बनाने का उद्देश्य भी लिए है। ज्ञात हो कि सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा ऑडियो-विजुअल मनोरंजन और डिजिटल क्रिएटर्स को बढ़ावा देने के लिए 'विश्व ऑडियो विजुअल मनोरंजन शिखर सम्मेलन और 'जेम्स ऑफ इंडिया' जैसी मुहिम भी शुरू की गई हैं। इतना ही नहीं जनता को जागरूक करने के लिए ही विश्व दृश्य-श्रव्य धरोहर दिवस पर कई तरह की प्रतियोगिताएं, राष्ट्रीय फिल्म अभिलेखागारों, श्रव्य-दृश्य कम्युनिटीज़, टेलीविजन एवं रेडियो स्टेशनों और सरकारों के साझे प्रयासों से कई स्थानीय कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। महत्वपूर्ण श्रव्य-दृश्य अभिलेखों को सहेजने से संबन्धित महत्वपूर्ण विषयों पर पैनल चर्चाएं सम्मेलन, विशेष फिल्म स्क्रीनिंग और सार्वजनिक वार्ताएं आयोजित की जाती हैं।इसीलिए आमजन भी अपनी विरासत के प्रति सजग होकर ऑनलाइन मंचों पर उपलब्ध जानकारियों और सहजता से मिल रही सूचनाओं में रुचि लें । अपनी विरासत का मान करने हेतु उसे जानना-समझना जरूरी है । अपनी सांस्कृतिक पहचान और इतिहास को सहेजने की कोशिशों का हिस्सा बनने का भाव हर पीढ़ी में होना चाहिए । जनमानस के सकारात्मक रुझान से सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण से जुड़े प्रयासों को और बल मिलता है ।

(लेखिका स्वतंत्र स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

श्रद्धामयोऽयं पुरुषो यो यच्छ्रद्धः स एव सः

संकलित
दर्शन

गीताकार ने कहा है कि श्रद्धामयोऽयं पुरुषो यो यच्छ्रद्धः स एव सः अर्थात जिसकी जैसी श्रद्धा होती है, वह स्वयं ही वही यानी उसी के अनुरूप बन जाता है। शिष्य और गुरु के मध्य जो श्रद्धा के सूत्रों का सशक्त बंधन होता है, वही लक्ष्य तक पहुंचाने और अध्यात्म की समस्त विभूतियां प्राप्त कराने में प्रमुख भूमिका निभाता है। जिस श्रद्धा के सहारे मीरा ...

... बनी प्रतिमा को असली द्रोण से भी अधिक समर्थ बनाया और रामकृष्ण परमहंस ने पत्थर की प्रतिमा को जीवंत काली जैसा भोग ग्रहण करने के लिए सहमत कर लिया था, वह श्रद्धा तत्त्व ही आत्मिक प्रगति का आधारभूत है। इसे उपार्जित करने के लिए जीवंत गुरु का आश्रय लेना पड़ता है। जीवन के प्रत्येक महत्त्वपूर्ण कार्य के लिए सद्गुरु के अवलंबन की आवश्यकता पड़ती है। आत्मिक प्रगति के लिए सद्गुरु का आश्रय लिए जाने की बात प्राचीन आर्ष ग्रंथों से लेकर ऋषि-मुनियों तक ने कही है। आत्मिक प्रगति, भिन्न स्तर का सोच अपनाने और तदनुरूप अपने क्रियाकलापों को ढालने के लिए सशक्त अवलंबन की आवश्यकता पड़ती है। यह कार्य समर्थ आदर्शवादी और श्रेष्ठ स्तर के व्यक्तित्वों के साथ घनिष्ठता स्थापित करने पर ही बनता है। इसी व्यवस्था को गुरुवरण कहते हैं। गुरु के रूप में एक ऐसी सत्ता के प्रति संपूर्ण समर्पण, जो उत्कृष्टताओं और सत्प्रवृत्तियों का समुच्चय हो। जिसके पद चिह्नों पर चलकर और जिसके प्रदत्त मार्गदर्शन को अपनाकर जीवन को वैसा ही श्रेष्ठतम व सार्थक बनाया जा सके। यह समर्पण सघन श्रद्धा के माध्यम से ही बन पड़ता है।

भगवान की कृपा से ही सब मिलता है

संकलित
प्रेरणा

एक राजा था, वह जब पूजा के लिए मंदिर जाता, तो 2 भिखारी उसके दाएं और बाएं बैठा करते। दाईं ओर वाला कहताः ए भगवान! तूने राजा को बहुत कुछ दिया है, मुझे भी दे दे। बाईं ओर वाला कहताः ऐ राजा! भगवान ने तुझे बहुत कुछ दिया है, मुझे भी कुछ दे दे। दाईं ओर वाला भिखारी बाईं ओर वाले से कहताः भगवान से माँग! निसंदेह वही सबसे अच्छा ...

... बुलाया और कहा कि मंदिर में दाईं तरफ जो भिखारी बैठता है, वह हमेशा भगवान से मांगता है। तो निसंदेह भगवान उसकी जरूर सुनेगा। लेकिन जो बाईं तरफ बैठता है, वह हमेशा मुझसे विनती करता रहता है। तो तुम ऐसा करो कि एक बड़े से बर्तन में खीर भर के उस में अशर्फियाँ डाल दो और वह उसको दे आओ। मंत्री ने ऐसा ही किया। अब वह भिखारी मजे से खीर खाते-खाते दूसरे भिखारी को चिड़ाता हुआ बोलाः हुह बड़ा आया, भगवान देगा। यह देख राजा से माँगा, तो मिल गया ना? खाने के बाद जब उस का पेट भर गया, तो उस ने खीर से भरा बर्तन उस दूसरे भिखारी को दे दिया। और कहाः ले पकड़.. तू भी खाले, मूर्ख! अगले दिन जब राजा पूजा के लिए मंदिर आया तो देखा कि बाईं तरफ वाला भिखारी तो आज भी वैसे ही बैठा है। लेकिन दाईं तरफ वाला गायब है। राजा ने चौंक कर उससे पूछाः क्या तुझे खीर से भरा बर्तन नहीं मिला? भिखारीः जी मिला था, क्या शानदार खीर थी। मैंने ख़ूब पेट भर कर खायी! राजाः फिर? भिखारीः फ़रि वह जो दूसरा भिखारी यहाँ बैठता है, मैंने उसको दे दी। मूर्ख हमेशा कहता रहता थाः भगवान देगा, भगवान देगा! राजा मुस्कुरा कर बोलाः बेशक, भगवान ने उसे दे ही दिया! इसी तरह हमें भी उस भगवान से ही विनती करनी चाहिए।

अंतर्मन

आज की पाती

पर्यावरण का संरक्षण जरूरी

दुनिया आज जलवायु परिवर्तन, ग्लोबल वार्मिंग और बढ़ते प्रदूषण की गंभीर चुनौती का सामना कर रही है। पर्यावरण संरक्षण की जिम्मेदारी पूरी मानवता की है, लेकिन प्रदूषण के मुद्दे पर विकासशील देशों को अक्सर कठघरे में खड़ा किया जाता है। विकसित देश भूल जाते हैं कि उन्होंने दशकों तक संसाधनों का अधिकतम दोहन कर मजबूत आर्थिक ढांचा खड़ा किया है, जिसकी पर्यावरणीय कीमत पूरी दुनिया चुका रही है। यदि प्रदूषण की जिम्मेदारी तय करनी है, तो ऐतिहासिक कार्बन उत्सर्जन को भी ध्यान में रखना होगा। कार्बन टैक्स और पर्यावरण संबंधी प्रतिबंधों के नाम पर विकासशील देशों के विकास को बाधित करना न्यायसंगत नहीं है।

- सूर्यांश कौशिक, रोहतक

ट्रेंड

मर्यादाएं लांघ रहे राहुल

राहुल गांधी किस तरह मर्यादा की सीमाएं लांघ रहे हैं और रोजाना किस तरह की भाषा का इस्तेमाल करते हैं। अब हम उनकी पार्टी के अध्यक्ष को भी इसी तरह की भाषा का इस्तेमाल करते देख रहे हैं।
-नितिन नवीन, भाजपा अध्यक्ष

सीईसी को बचा रही सरकार

'वोट चोरी के अनगिनत खुलासों' के बावजूद केंद्र सरकार सीईसी ज्ञानेश कुमार को बचाने के लिए हर हथकंडा अपना रही है। एक नवंबर को रामलीला मैदान में वोट बचाओ, देश बचाओ महा रैली होगी। इसे सफल बनाएं। -मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस अध्यक्ष

कॉकरोचों को पनपने न दें

देश में 'दिमागी नक्सल', 'टुकड़े-टुकड़े गैंग' और कॉकरोचों को कभी भी पनपने न दें। कॉकरोच, खटमल जैसी बुराइयां कोरोना वायरस की तरह फैलने की कोशिश कर रही हैं। इन्हें कीटनाशक रूपी 'हिट' से ही खत्म किया जा सकता है। आप सभी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ खड़े हों।
-शुभेंदु अधिकारी, सीएम, पश्चिम बंगाल

भाजपा के पास कुछ नहीं

भाजपा को हर मुद्दे पर राजनीति करने और जनता का ध्यान भटकाने के बजाय लोकतंत्र से जुड़े सवालों का जवाब देना चाहिए। कांग्रेस अध्यक्ष का उद्देश्य किसी का अपमान करना नहीं रहा। भाजपा जिस तरह हंगामा कर रही है, उससे स्पष्ट है कि उसके पास जनता के मुद्दों पर जवाब देने के लिए कुछ नहीं है।
-अशोक गहलोत, पूर्व सीएम, राजस्थान

करंट अफेयर

भारतीय नौसेना का प्रशिक्षण दस्ता यात्रा पर पहुंचा श्रीलंका

भारतीय नौसेना का प्रथम प्रशिक्षण दस्ता दो युद्धपोतों और तटरक्षक बल के एक पोत के साथ सोमवार को तीन दिवसीय सद्भावना यात्रा पर श्रीलंका पहुंचा। भारतीय उच्चायोग ने यह जानकारी देते हुए बताया कि इस यात्रा का उद्देश्य दोनों देशों के बीच समुद्री सहयोग को बढ़ावा देना है। यह यात्रा लंबी दूरी के प्रशिक्षण अभियान का हिस्सा है। इसके तहत दस्ता श्रीलंका के बाद सेशेल्स के पोर्ट विक्टोरिया और मालदीव की राजधानी माले भी जाएगा। इसके बाद यह कोच्चि स्थित अपने आधार बंदरगाह पर लौटेगा। यह प्रशिक्षण दस्ता भारतीय नौसेना, भारतीय तटरक्षक बल और मित्र देशों की नौसेनाओं के प्रशिक्षु अधिकारियों को समुद्र में प्रारंभिक प्रशिक्षण प्रदान करता है। इस दस्ते की कमान प्रथम प्रशिक्षण दस्ते के वरिष्ठ अधिकारी और आईएनएस तीर के कमांडिंग ऑफिसर कैप्टन तिजो के. जोसेफ के हाथों में है। भारतीय मिशन ने बताया कि श्रीलंका नौसेना के पांच प्रशिक्षु अधिकारी भी इस लंबी दूरी के प्रशिक्षण अभियान में हिस्सा ले रहे हैं। श्रीलंका नौसेना के प्रशिक्षण महानिदेशक रियर एडमिरल रोहन जोसेफ के कोलंबो बंदरगाह पहुंचने पर इन पोतों का दौरा करने और उन पर तैनात कमांडिंग अधिकारियों, प्रशिक्षण अधिकारियों तथा प्रशिक्षुओं से बातचीत करने की योजना है।

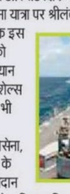

ऑफ बीट

ब्रिटेन में लंबे पंजों वाले नए डायनासोर का जीवाश्म मिला

ब्रिटेन के आइल ऑफ वाइट से मिले मांसाहारी डायनासोर की एक नयी प्रजाति की खोपड़ी का जीवाश्म 100 से अधिक वर्षों तक संग्रह में रखे रहने के बाद 'नैचुरल हिस्ट्री म्यूजियम' में दोबारा मिला है। लंदन स्थित इस संग्रहालय के करीब 150 साल के इतिहास में यहां तीन करोड़ से अधिक नमूने हैं। ऐसे में किसी जीवाश्म या चट्टान का संग्रह में कहीं छूट जाना असामान्य नहीं है। संभवतः ऐसा ही ब्रिटेन में खोजे गए इस नए डायनॉसोर के एकमात्र ज्ञात जीवाश्म के साथ हुआ। अनुसंधानकर्ताओं ने एक नए अध्ययन में दो पैरों पर चलने वाले इस मांसाहारी थेरोपोड डायनासोर का नाम 'इन्विक्टिबेलाट्रिक्स एम्बरिना' रखा है। थेरोपोड डायनासोर के इसी समूह में आधुनिक पक्षी भी शामिल हैं। संग्रहालय के जीवाश्म विज्ञानियों में से एक पॉल बैरेट ने 2020 में जीवाश्मों के संग्रह की जांच के दौरान हड्डी का एक छोटा टुकड़ा देखा। उन्होंने पहचान लिया कि यह डायनासोर की खोपड़ी के एक महत्वपूर्ण हिस्से, यानी मस्तिष्क को सुरक्षित रखने वाली हड्डी (ब्रेनकेस) का टुकड़ा है। संग्रहालय के अभिलेखों की जांच करने पर पता चला कि यह जीवाश्म इंग्लैंड के दक्षिणी तट से दूर स्थित आइल ऑफ वाइट के सडमूर प्वाइंट के पास एक समुद्र तट से मिला था।

खबर संक्षेप

कांगड़ा में चिट्टा तस्करी में 1.01 करोड़ की संपति फ्रीज

कांगड़ा। हिमाचल प्रदेश में चिट्टा तस्करी के खिलाफ नूरपुर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने

इंदौरा के छन्नी गांव में 1 करोड़ 1 लाख 55 हजार 718 रुपए मूल्य की संपत्तियों को फ्रीज करने संबंधी आदेश का बोर्ड लगाया है। यह कार्रवाई पुलिस थाना इंदौरा में वर्ष 2017 में दर्ज चिट्टा तस्करी के मामले में की गई है।

मुस्कान-साहिल की फांसी पर अब 30 को सुनवाई

मेरठ। उत्तर प्रदेश के मेरठ के बहुचर्चित नीले ड्रम हत्याकांड में इलाहाबाद हाई कोर्ट में सुनवाई हुई।

सौरभ राजपूत हत्याकांड में दोषी ठहराए गए मुस्कान रस्तोगी और साहिल शुक्ला की ओर से दाखिल याचिका पर हाई कोर्ट की डबल बेंच ने सुनवाई की। कोर्ट ने संवेदनशीलता को देखते हुए अगली सुनवाई के लिए 30 नवंबर की तारीख दी है।

छत्तीसगढ़ राजपत्र, दिनांक 28 अक्टूबर 2026

प्रारूप (एक)

समाचार प्रपत्र में प्रकाशित की जाने वाली सूचना

मैं शिवा चौहान (पुरानी नाम, जिसे बदला जाना है) सुपुत्र / सुपुत्री/पत्नी-राजेन्द्र चौहान/गाँव-बसंतपुर, तहसील-पत्थलगांव, जिला-जशपुर छत्तीसगढ़ ने अपना नाम-शिवा चौहान (पुराना नाम) से बदल कर (नया नाम) शिवानी चौहान रख लिया है।

नाबालिग पुत्री/पुत्र के नाम परिवर्तन के मामले में (अभिभावक / पालक द्वारा प्रमाणित)

मैं राजेन्द्र चौहान (माता/ पिता/ पत्नि/पालक का नाम) सुपुत्र/सुपुत्री लरीब

चौहान गाँव/शहर

बसंतपुर तहसील पत्थलगांव, जिला-जशपुर, छत्तीसगढ़ राज्य ने अपने नाबालिग सुपुत्र/सुपुत्री का नाम शिवा चौहान (पुराना नाम) से बदल कर शिवानी चौहान (नया नाम) रख लिया है।

माता/पिता/पालक के हस्ताक्षर

राहुल ने की जन सुनवाई, एक नवंबर को रामलीला मैदान में महारैली पर अड़े

ज्ञानेश के इस्तीफे तक आंदोलन जारी रखा जाएगा, सरकार-ईसी की जवाबदारी तय हो

वोट चोरी की जा रही और गरीबों के नाम जानबूझकर मतदाता सूची से हटाए जा रहे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर विपक्ष के जारी विरोध के बीच आए हैं। इंडिया ब्लॉक के दल मतदाता सूची में कथित अनियमितताओं और नाम हटाए जाने के मुद्दे पर चुनाव आयोग से जवाबदेही तय करने की मांग कर रहे हैं। एक नवंबर को रामलीला मैदान में 'दिल्ली चलो' मार्च और जनसभा प्रस्तावित है।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी दिल्ली के त्रिलोकपुरी स्थित ब्लॉक 20 में 'वोट अधिकार जीने का अधिकार' जन सुनवाई में शामिल हुए। इस दौरान राहुल गांधी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर हमला तेज करते हुए आरोप लगाया कि देश में ऊपर के स्तर से वोट चोरी की जा रही है और गरीबों के नाम मतदाता सूची से हटाए जा रहे हैं। जब तक ज्ञानेश कुमार इस्तीफा नहीं देते या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उन्हें पद से नहीं हटाते, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

4 बूथों से 416 नाम हटाने का आरोप

राहुल ने कहा कि इस जन सुनवाई के जरिए लोगों ने बताया कि चार बूथों से 416 नाम कथित तौर पर अवैध तरीके से हटाए गए हैं। भारत के हर नागरिक को वोट देने का अधिकार है। हम लंबे समय से इस मुद्दे को उठा रहे हैं। आज लोगों को समझ आ गया है कि वोट चोरी हो रही है और गरीबों के नाम मतदाता सूची से हटाए जा रहे हैं।

वेणुगोपाल ने महारैली और तैयारियों का जायजा लिया

कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने रामलीला मैदान का निरीक्षण किया और तैयारियों की समीक्षा की। यह विरोध प्रदर्शन मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और एसआईआर में कथित

अनियमितताओं के खिलाफ किया जा रहा है। वेणुगोपाल ने आरोप लगाया कि कार्यक्रमों को रोकने की कोशिश कर रही है, लेकिन इंडिया गठबंधन पीछे नहीं हटेगा।

व्यापारियों की बढ़ी चिंता राहुल को लिखा पत्र

राहुल गांधी ने साफ कर दिया कि दिवाली के पीक सीजन में 1 नवंबर को रामलीला मैदान में प्रस्तावित महारैली होकर रहेगी. उनके इस रुख के बाद रामलीला मैदान के आसपास के

प्रमुख बाजारों के व्यापारियों में चिंता और निराशा बढ़ गई है। दिल्ली के व्यापारियों और उद्यमियों के संगठन चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री के चेयरमैन बृजेश गोयल ने राहुल को पत्र लिखकर रैली दिवाली के बाद कराने की मांग की है।

रैली पर दिल्ली पुलिस ने लगाई शर्तें

शाम 5 बजे तक खत्म करना होगा कार्यक्रम

रामलीला मैदान में होने वाली कांग्रेस की रैली के लिए कानून-व्यवस्था के लिहाज से अनापत्ति प्रमाणपत्र जारी कर दिया है। हालांकि, इसके लिए

जमीन के मालिकाना हक वाले विभाग से पहले अनुमति लेनी होगी और पुलिस की कई शर्तों का पालन करना होगा। रैली सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक होगी।

पुलिस ने रखी ये प्रमुख शर्तें

- **सुरक्षा के कड़े इंतजाम:** आयोजकों को रामलीला मैदान के प्रवेश/निकास द्वारों, मंच, आसपास के क्षेत्रों और बैठने की जगहों पर पर्याप्त संख्या में हाई-डेफिनेशन सीसीटीवी कैमरे लगाने होंगे। इनकी रिकॉर्डिंग, कम से कम 5 स्क्रीनों के साथ एक मॉनिटरिंग सिस्टम और एक अलग सीसीटीवी कंट्रोल रूम बनाना अनिवार्य होगा।
- **बुनियादी सुविधाएं:** रैली में शामिल होने वाले लोगों के लिए पानी के टैंकर और पर्याप्त संख्या में शौचालय (महिलाओं और पुरुषों के लिए अलग-अलग) उपलब्ध कराने होंगे।
- **स्वयंसेवक:** रैली को सुचारू रूप से चलाने के लिए कांग्रेस को पर्याप्त संख्या में स्वयंसेवक तैनात करने होंगे, जो एक जैसी ड्रेस या बैज पहनें, ताकि उनकी पहचान हो सके।
- **समय सीमा:** रैली को 1 नवंबर 2026 को शाम 5 बजे तक हर हाल में समाप्त करना होगा, जिसके बाद भीड़ को तितर-बितर होना शुरू हो जाना चाहिए. किसी भी परिस्थिति में समय विस्तार की अनुमति नहीं दी जाएगी।
- **रात को रुकने पर रोक:** रैली से पहले या बाद में, किसी भी प्रतिभागी को रामलीला मैदान में रात को रुकने की अनुमति नहीं होगी।
- **मार्च निकालने की मनाही:** रामलीला मैदान के अलावा किसी अन्य स्थान के लिए कोई मार्च निकालने की अनुमति नहीं दी गई है।

खरगे ने 13 राज्यों की जारी की लिस्ट

चुनाव आयोग कर रहा वोट चोरी, करोड़ों नाम काटे गए

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने एसआईआर को लेकर एक आंकड़ा जारी कर केंद्र और चुनाव आयोग पर वोट चोरी करने का आरोप लगाया। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह पर 1 नवंबर को प्रस्तावित विपक्ष की रैली को दबाने का भी आरोप लगाया।

■ केंद्र सरकार और चुनाव आयोग पर लगाए कई आरोप

राज्यसभा में विपक्ष के नेता खरगे ने कहा कि इंडिया गठबंधन हर नागरिक के वोट और हमारे संविधान की रक्षा के लिए अपना लोकतांत्रिक संघर्ष जारी रखेगा।

कांग्रेस अध्यक्ष ने उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, राजस्थान, गुजरात, कर्नाटक समेत 13 राज्यों में हुए एसआईआर की प्रक्रिया पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर कहा, 'जैसे-जैसे चुनाव आयोग के कारनामे सामने आ रहे हैं और वोट चोरी का पर्दाफाश हो रहा है, मोदी-शाह जन-आंदोलन को दबाने की पुरजोर कोशिश कर रहे हैं!

इन राज्यों में हुए एसआईआर पर उठाए सवाल

- ▶▶ **उत्तर प्रदेश:** पीलीभीत में 10,470 अनियमित फॉर्म 8 बदलावों के कारण एफआईआर दर्ज की गई और राज्यव्यापी ऑडिट शुरू हुआ। अलग से 158 एमएलसी इलेक्टोरल रोल एंट्री में सॉफ्टवेयर-जनरेटेड नाम की गलतियां थीं।
- ▶▶ **महाराष्ट्र:** एसआईआर ड्राफ्ट रोल से 2.07 करोड़ नाम हटा दिए गए। एमएलसी सूचियों में कंप्यूटर/ऑटोमैटिक ट्रांसलेशन की वजह से हुई गलतियां सामने आईं।
- ▶▶ **पश्चिम बंगाल:** विधानसभा चुनावों के बाद मतदाता सूची से बाहर किए गए लोगों की तय की गई अपीलों में से 93 फीसदी सफल रहीं।
- ▶▶ **राजस्थान:** भारतीय चुनाव आयोग और राज्य निर्वाचन आयोग की सूचियों के बीच लगभग 30 लाख विसंगतियां पाए गए।
- ▶▶ **गुजरात:** एसआईआर के बाद मतदाता सूची में 68.12 लाख नाम घट गए. अब लोगों के नाम फिर से जोड़ने का खास अभियान चलाया जा रहा है।
- ▶▶ **कर्नाटक:** आम तौर पर फॉर्म 7 कोई आम नागरिक या मतदाता किसी का नाम कटवाने के लिए भरता है, लेकिन यहां खुद चुनाव अधिकारियों द्वारा ही 61,059 लोगों के नाम काटने के लिए फॉर्म 7 भरे गए, जिस पर सवाल उठाए गए हैं।
- ▶▶ **आंध्र प्रदेश:** 20,959 फॉर्म 7 आवेदनों में चुनाव अधिकारियों को ही आपत्ति जताने वाले के रूप में नामित किया गया।
- ▶▶ **ओडिशा:** धामनगर में 3,000 से अधिक नाम हटाने वाले आवेदन आए। बीएलओ ने इसके दुरुपयोग का आरोप लगाया।

सुलखानखुर्द में 30 अक्टूबर को लगेगा जन विश्वास शिविर, लंबित आवेदनों के निराकरण पर रहेगा जोर

सिंगरौली। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत 30 अक्टूबर को जनपद पंचायत चितरंगी की ग्राम पंचायत सुलखानखुर्द में जन विश्वास शिविर आयोजित किया जाएगा। शिविर में ग्रामीणों की समस्याओं का निराकरण करने और पात्र हितग्राहियों को शासकीय योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ दिलाने के लिए व्यवस्थाएं की जाएंगी। प्रभारी कलेक्टर संघप्रिय ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत लंबित आवेदनों और सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों का प्राथमिकता से निराकरण करने के निर्देश दिए हैं।

गडकरी ने किया बड़ा दावा

ई-20 पेट्रोल के खिलाफ 'पेड' अभियान चला, अब शोर खत्म

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने पेट्रोल में 20 प्रतिशत इथेनॉल मिलाने पर बताया कि पेट्रोल में 20 प्रतिशत इथेनॉल मिलाने को लेकर हुआ विरोध एक पेड कैंपेन (पैसे देकर चलाया गया अभियान) था। यह

बयान सरकार द्वारा 'केंद्रीय मोटर वाहन नियम 1989' में बदलाव की अधिसूचना जारी करने के एक दिन बाद आया है। इन बदलावों के तहत अब ऐसे 'फ्लेक्स-फ्यूल' वाहनों को अनुमति दी गई है, जो ई100 (लगभग शुद्ध इथेनॉल) तक पर चल सकते हैं। उद्योग संगठन सीआआई के कार्यक्रम में गडकरी ने कहा कि भारत जीवाश्म ईंधन के आयात को कम करके अपनी कीमती विदेशी मुद्रा बचा सकता है। 3 महीने पहले, ई20 (20 प्रतिशत इथेनॉल मिला हुआ पेट्रोल) ईंधन के खिलाफ काफी हंगामा किया गया था। अब ई20 ईंधन के खिलाफ सारा विरोध खत्म हो गया है। यह एक 'पेड कैंपेन' था।

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार के प्रति कड़ी नाराजगी जताई

सवाल-कीमतों में इतना अंतर क्यों?

कैंसर की 11 हजार की दवा 1.30 लाख में, लूट का कारण तो बताएं

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने एक मामले की सुनवाई के दौरान कैंसर की दवाओं की कीमतों को नियंत्रित करने के मुद्दे पर केंद्र सरकार के प्रति कड़ी नाराजगी जताई। अदालत ने एक घटना का जिक्र करते हुए बताया कि कीमोथेरेपी में इस्तेमाल होने वाला एक इंजेक्शन एक मेडिकल डिस्ट्रीब्यूटर की कैंसर पीड़ित पत्नी को लगाया जाना था, जिनका इलाज एक प्रतिष्ठित निजी अस्पताल में चल रहा था। डिस्ट्रीब्यूटर ने अस्पताल प्रशासन को बताया कि

वह स्वयं दवा कारोबारी हैं और यह इंजेक्शन उन्हें 11,000 में उपलब्ध हो जाता है। अस्पताल ने बाहर से लाया गया इंजेक्शन लगाने से इनकार कर दिया और उसी इंजेक्शन के लिए 1.30 लाख शुल्क वसूलने की बात कही। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से सवाल किया कि क्या आप इस लूट का कोई उचित कारण बता सकते हैं? इतना अंतर क्यों है?

कीमतों में इस अंतर का जवाब दें

कोर्ट ने पूछा कि क्या अस्पतालों के पास मरीजों को इस तरह से कंट्रोल करने का अधिकार है. ड्रिप लाइन जैसी मामूली सी चीज जिसकी रिटेलर के लिए कीमत 15 रुपये, और बिक रही है 250 रुपये में, फिर डीपीसीओलागू ही क्यों है? सरकार खुद ऐसा होने दे रही है, जबकि इस मुद्दे पर तीन संसदीय समितियां बन चुकी हैं। कोर्ट ने केंद्र से पूछा कि हमें इसका तर्क बताएं। बताइए कि पिछले 30 सालों में भारतीय फार्मा इंडस्ट्री ने 5 नए मॉलिक्यूल कौन से विकसित किए हैं?

एनटीपीसी के राख परिवहन में लगे हाइवा ने गाय को रौंदा, भड़के ग्रामीण

बीजपुर (सोनभद्र) एनटीपीसी रिहंद की राख ढुलाई में लगे हाइवा वाहनों की बेलगाम रफ्तार पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। मंगलवार सुबह करीब आठ बजे शांतिनगर वैढ़न बाईपास पर तेज रफ्तार एक हाइवा ने सड़क किनारे बैठी शुभचंद पाल की गाय को कुचल दिया।

शपथ पत्र

मैं रीना एक्का पिता स्व० हाबिल एक्का उम्र लगभग उम्र लगभग 35 वर्ष जाति उरॉव निवासी ग्राम महाराजगंज थाना व तहसील बलरामपुर जिला बलरामपुर-रामानुजगंज छ.ग. का निम्न कथन सशपथ घोषित करती हूं कि मै सशपथ घोषित करती हूँ कि मैं उक्त पते पर स्थायी रूप से निवास करती हूँ। मैं सशपथ घोषित करती हूं कि मेरे पिता स्व० हाबिल P.P.O.mo5/08//580/98 आर्मी में Solder GD के पद पर थे जो सेवा पूर्ण पश्चात दिनांक 01.04.1999 को सेवानिवृत्त हुए थे।

मैं सशपथ घोषित करती हूं कि आर्मी से सेवा निवृत होने पर पी.पी.ओ. जारी किया गया है, जिसमें मेरा नाम रीना एक्का अंग्रेजी में RINA EKKA दर्ज किया गया है। मेरे पिता की मृत्यु दिनांक 13.04.2015 व माता स्व० श्रीमति मंगरीता पति स्व० हाबिल एक्का की मृत्यु 08/12/2025 को हो चुकी है।

मैं सशपथ घोषित करती हूँ कि मेरे आधार कार्ड व समस्त रिकार्ड में मेरा नाम रीना एक्का अंग्रेजी में REENA EKKA है तथा पी.पी.ओ. में मेरा नाम रीना एक्का अंग्रेजी में RINA EKKA है जो कि त्रुटिपूर्ण अंकित है। मेरे पिता स्व. हाबिल एक्का पी.पी.ओ. के आधार पर ही पेशन आदि प्राप्त करते थे जिसकारण उनके मृत्यु उपरांत मैं पी.पी.ओ. से पेशन प्राप्त करना चाहती हूँ।

मैं सशपथ घोषित करती हूं कि मेरे पी.पी.ओ. में अंकित नाम रीना एक्का अंग्रेजी में RINA EKKA को सुधार कर अपने आधार कार्ड व अन्य दस्तावेज में अंकित नाम रीना एक्का अंग्रेजी में REENA EKKA कराना चाहती हूँ। उक्त दोनो नाम मेरा ही है। मैं सशपथ घोषित करती हू कि पी.पी.ओ. में नाम सुधार करने व उपरोक्त कथन की पुष्टि करने के लिए यह शपथ पत्र निष्पादित कर रही हूँ।

रीना एक्का

ह० शपथकर्ता

न्यायालय-द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ श्रेणी अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ०ग०)

प्रो०नं० 1792/2026

व्यवहार वाद प्रकरण कमांक-265अ/2026

आगामी पेशी तिथिः 03.11.2026

ज्योत्सना /वादी

विरूद्ध

अनिल राय वर्ग० / प्रतिवादीगण

नोटिस / ईश्तहार

बनामः -

आम जनता

आपको नोटिस / ईस्तहार के माध्यम से सूचित किया जाता है कि इस न्यायालय में वादी/आवेदक द्वारा आपके विरूद्ध व्यवहार वाद प्रकरण कमांक-265अ/2026, ज्योत्सना विरूद्ध अनिल राय वगै, न्यायालय-द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ श्रेणी अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के समक्ष व्यवहार वाद प्रस्तुत किया गया है। न्यायालय द्वारा प्रकरण में प्रतिवादीगण आम जनता को न्यायालय में उपस्थिति हेतु नोटिस प्रेषित की गई थी। किन्तु उक्त प्रतिवादीगण को नोटिस की तामिली न हो पाने के कारण प्रकरण में पेशी तिथि बढ़ती जा रही है। ऐसी स्थिति में उपरोक्त प्रतिवादीगण को न्यायलयीन प्रकरण में उपस्थिति होने हेतु नोटिस / ईस्तहार का प्रकाशन कराया जा रहा है। अतः आपको इस नोटिस / ईस्तहार के माध्यम से सूचित किया जाता है कि पेशी दिनांक - 03.11.2026 को न्यायालयीन समय दिन में 11.00 बजे उपस्थित होकर स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता / अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत करें। नियत, दिनांक को उपस्थित न होने की दशा में आपके विरूद्ध एकपक्षीय कार्यवाही की जावेगी उक्त तिथि को सार्वजनिक अवकाश होने की दशा में अथवा किन्हीं कारणवश न्यायालीन कार्य स्थगित होने पर प्रकरण की सुनवाई आगामी कार्य दिवस पर होगी। आज दिनांक 28.10.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से जारी किया गया।

दिनांक 28.10.2026

(अरिन्दम नेरल)

न्याय०-द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ श्रेणी अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०)

सूचना

मैं हेमंत कुमार प्रजापति आ. धनेश्वर प्रसाद प्रजापति उम्र 31 वर्ष जाति कुम्हार निवासी ग्राम केशवनगर पोस्ट सूरजपुर थाना बिश्रामपुर तहसील व जिला सूरजपुर छत्तीसगढ़ राज्य ने अपने नाबालिग सुपुत्र का आधार कार्ड नंबर 624618961540 में नाम ऐश्वर्य प्रजापति (AISHWARY PRAJAPATI) से बदलकर यक्ष प्रजापति (YAKSH PRAJAPATI) रख लिया है। जो मेरे पुत्र के जन्म प्रमाण पत्र में दर्ज है।

आवेदक का हस्ताक्षर

छत्तीसगढ़ राजपत्र, दिनांक 27 अक्टूबर 2026

प्रारूप (एक)

समाचार प्रपत्र में प्रकाशित की जाने वाली सूचना

मैं निर्मिला बाई (पुराना नाम, जिसे बदला जाना है) सुपुत्र/सुपुत्री/पत्नी लक्ष्मण साग पैंकरा शहर / गाँव-पण्डरीपानी, तहसील-पत्थलगांव, जिला जशपुर छत्तीसगढ़ ने अपना नाम निर्मिला बाई (पुराना नाम) से बदल कर (नया नाम) निर्मला बाई पैकरा रख लिया है।

निर्मिला

हस्ताक्षर (पुराने नाम से)

सूचना

सूचित किया जाता है कि दिनांक 28.10.2026 से हमारी फर्म "M/s Harsh Construction" के रजिस्टर्ड ऑफिस का पता Near Devlash Chowk, Beladula, Raigarh, Tah. & Distt. : Raigarh [C.G.] से परिवर्तित होकर " Infront of Akashvani Colony, Choprapara, Ambikapur, Distt. Surguja [C.G.]" हो गया है।

सूचनाकर्ता

भागीदार

न्यायालय तहसीलदार दरिमा, जिला-सरगुजा (छ.ग.)

रा०प्र०क्र० /अ-6/2026-27

ईश्तहार

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका लालती बाई पति रामपाल जाति कंवर निवासी ग्राम छिंदकालो तहसील दरिमा जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि ग्राम छिंदकालो में स्थित भूमि खसरा नंबर 188, 433, 434, 435, 436, 452, 457, 771, 772/1.784/4.786/4 कुल रकबा 12 कुल रकबा 21000 हे. भूमि कलई पित्ता दखलसाय एवं अन्य 3 के साथ सम्मेलित खाते में भूमिस्वामी दर्ज होकर स्थित है। वादभूमि के सहखातेदार कलई पिता दखलसाय की मृत्यु दिनांक 16.11.2008 को निःसंतान फौत हो चुकी है तथा मृतक भूमिस्वामी के विधिक वारिसानों / उत्तराधिकारियों को नाम वादभूमि पर पूर्व से दर्ज है। जिसके कारण वादभूमि से फौत भूमिस्वामी कलई पिता दखलसाय का नाम विलोपित (फौती नामांतरण) करने हेतु आवेदन इस न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया है।

उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति/ पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अपनी आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 6/11/2026 तक न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 15/10/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

तहसीलदार

दरिमा जिला-सरगुजा (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ०ग०)

रा०प्र०क्र०-/ब-121/2026-27

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक फुलसाय आ. गढ़िया, निवासी ग्राम कृष्णापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ.ग. के द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर बताया गया है कि आवेदक के पिता गढ़िया के द्वारा ग्राम कृष्णापुर स्थित खसरा नंबर 642, 662, 663, 703 कुल रकबा 1.028 हे. भूमि पंजीबद्ध विक्रयपत्र दिनांक 10.01.2006 के माध्यम से उमेश प्रसाद आ. जगना राम को विक्रय किया गया था किन्तु उपरोक्त खसरा नंबर के अलावा त्रुटिवश खसरा नंबर 689 रकबा 0.344 हे. भूमि उमेश के पुत्र प्रदीप एक्का पिता उमेश एक्का के नाम पर दर्ज हो गया है। आवेदक द्वारा उक्त त्रुटि को सुधार किये जाने हेतु आवेदन पत्र अनुविभागीय अधिकारी महोदय, अम्बिकापुर के समक्ष में प्रस्तुत किया गया है, जो जॉच प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 06/11/2026 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति तुत कर सकते है। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा। आज दिनांकः- 15/10/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी

तहसीलदार

अम्बिकापुर, सरगुजा

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग०

रा०प्र०क०/31-6/2026-27

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदकगण राम किशन साहू, गोपी साहू आ०स्व० राम स्वास्थ साहू, श्रीमती फुलमती साहू पति स्व. राम स्वारथ साहू, सभी निवासी मनीपुर चौक अम्बिकापुर, जिला सरगुजा (छ.ग.) के द्वारा इस आशय का आवेदन पेश किया गया है. कि आवेदकगण के पिता/पति के स्वामित्व व अधिपत्य की नगर अ०पुर, मोहल्ला-मनीपुर लखनपुर रोड़ स्थित नजूल भूखण्ड क्र. 4237/8 रकबा 0.09 एकड भूमि है। आवेदकगण के पिता/पति की मृत्यु दिनांक 29.06.2016 को हो गई है। तत्पश्चात आवेदकगण द्वारा उक्त आवेदित भूमि के नजूल अभिलेख से अपने पिता का नाम विलोपित करते हुये स्वयं के नाम से फौति नामांतरण किये जाने हेतु अपने पिता की मृत्यु प्रमाण पत्र की छायाप्रति मय दस्तावेज सहित आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 109. 110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त सबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा / आपत्ति स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 13/11/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/अपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 27/10/2026 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एंव हस्ताक्षर से जारी किया गया।

नजूल अधिकारी

अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ०ग०)

रा०प्र०क्र०-/ब-121/2026-27

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक प्रीति अग्रवाल पत्नी अंकुर अग्रवाल जाति अग्रवाल निवासी कुंडला वसुंधरा सिटी अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि ग्राम अम्बिकापुर स्थित भूमि खसरा नंबर 4987/5, 4987/7, 4987/3 रकबा 0.045, 0.010, 0.024 हे0 भूमि को अनावेदक रूपा जायसवाल पत्नी योगेश जायसवाल जाति अग्रवाल निवासी बौरीपारा केनाबांध अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग० के पास अंकन राशि रुपए 94,80,000/-में विक्री करने का सौदा तय कर बिक्री अनुमति हेतु आवेदन पत्र श्रीमान कलेक्टर महोदय सरगुंजा के समक्ष प्रस्तुत किया गया है, जो जांच एवं प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 23.11.2026 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विवार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः- 28/10/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

तहसीलदार

अम्बिकापुर, सरगुजा

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार अम्बिकापुर-2, जिला-सरगुजा (छ०ग०)

रा०प्र०क०/अ-6/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सरस्वती मंडल पति स्व. सुखुदेव मंडल व अन्य, जाति नमोशुद्र, निवासी ग्राम बंगालीपारा डिगमा, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा ग्राम डिगमा स्थित भूमि खसरा नंबर 169, 171, 172, 173, 176 कुल खसरा नंबर 05 कुल रकबा 2.680 हे0 के वर्तमान भूमि स्वामी सुखमेन उर्फ सुख की मृत्यु होने के कारण उनके विधिक वारिशों के नाम पर फौती नामांतरण दर्ज कराने बावत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 20/11/2026 को न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 27/10/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

अतिरिक्त तहसीलदार

अम्बिकापुर-2

पूर्व केंद्रीय मंत्री स्व. लरंग साय की प्रतिमा का सीएम ने किया वर्चुअल अनावरण

बलरामपुर को 202 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

बलरामपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बुधवार को अपने निवास कार्यालय से वर्चुअल माध्यम से बलरामपुर जिले के ग्राम चिरई-जसवंतपुर में पूर्व केंद्रीय मंत्री स्वर्गीय लरंग साय की प्रतिमा का अनावरण किया।मुख्यमंत्री ने उन्हें नमन करते हुए जनसेवा और जनजातीय समाज के उत्थान में उनके योगदान को याद किया।इस अवसर पर उन्होंने बलरामपुर जिले को 202 करोड़ 65 लाख रुपये की लागत के 2,009 विकास कार्यों का लोकार्पण-शिलान्यास किया। इसमें 156.68 करोड़ के 1,863 कार्यों का भूमिपूजन और 45.97 करोड़ के 146 कार्यों का लोकार्पण शामिल है।

लरंग साय जनसेवा के प्रति समर्पित जननेता थे - सीएम

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्व. लरंग साय ने अपना पूरा जीवन गरीबों, वंचितों और जनजातीय समाज के विकास के लिए समर्पित किया। अविभाजित मध्यप्रदेश में विधायक, सांसद और मंत्री के रूप में उन्होंने जनता के हितों को सर्वोपरि रखा। उन्होंने अपने आत्मीय संबंधों को याद करते हुए कहा कि जब वे पहली बार विधायक बने, तब से काका लरंग साय के संपर्क में रहे। दिल्ली में सांसद रहते उनके निवास पर काका जी अक्सर ठहरते थे। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी भी उनका विशेष सम्मान करते थे।

3 बड़ी घोषणाएं

इस अवसर उन्होंने 3 बड़ी घोषणाएं भी कि जिसमें शंकरगढ़ स्थित बालक हायर सेकेंडरी स्कूल के जर्जर भवन के स्थान पर नया भवन निर्माण, चांदो में सामाजिक-सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए बड़ा सामुदायिक भवन और लरंग साय की प्रतिमा स्थल के पास भव्य स्मृति द्वार का निर्माण।

छत्तीसगढ़ में 15 नवंबर से 3100 रुपये प्रति क्विंटल पर होगी धान खरीदी, 360 नए केंद्र खुलेंगे : मंत्री नेताम

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। छत्तीसगढ़ में धान खरीदी की तैयारियां तेज हो गई हैं। राज्य में 15 नवंबर से किसानों का धान 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से खरीदा जाएगा। किसानों की सुविधा के लिए 360 नए धान उपार्जन केंद्र खोलने का फैसला लिया गया है। यह जानकारी कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने भाजपा प्रदेश कार्यालय एकात्म परिसर में पत्रकार वार्ता में दी।मंत्री नेताम ने कहा कि सरकार किसानों से 3100 रुपये प्रति क्विंटल पर धान खरीदी का वादा पूरा कर रही है। विपक्ष ने धान खरीदी को लेकर आलोचना की, लेकिन सरकार किसानों के हित में लगातार निर्णय ले रही है। उन्होंने कहा कि इस साल अच्छी फसल होने से बंपर धान खरीदी की संभावना है।360 नए केंद्र खुलने से किसानों को धान बेचने के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा और व्यवस्था अधिक सुगम होगी। धान के बदले दूसरी फसल लेने वाले किसानों को पहले 11 हजार रुपये सहायता मिलती थी, जिसे बढ़ाकर 15 हजार रुपये किया गया है, गन्ना उत्पादक किसानों से 425 रुपये प्रति क्विंटल की दर से खरीदी होगी। मंत्री ने बताया कि किसानों के पंजीयन को आसान बनाने के लिए फार्मर आईडी तैयार की जा रही है।

करम परब हमारी समृद्ध जनजातीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर, इसका संरक्षण हम सभी का दायित्व : मुख्यमंत्री

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज राजधानी रायपुर स्थित अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम परिसर में उरांव (सरना) आदिवासी विकास संघ द्वारा आयोजित करम पूजा परब 2026 में शामिल हुए। उन्होंने करम राजा की विधिवत पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। मुख्यमंत्री ने भारत माता के तैलचित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

प्रकृति के प्रति आस्था का प्रतीक है करम परब

मुख्यमंत्री ने कहा कि करम परब हमारी समृद्ध जनजातीय संस्कृति, गौरवशाली परंपराओं और पूर्वजों की अमूल्य धरोहर है। यह पर्व प्रकृति के प्रति आस्था, सामाजिक एकता और सामूहिक जीवन मूल्यों का जीवंत प्रतीक है। हमारे पूर्वजों ने प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाकर जीवन जीने की परंपरा विकसित की, करम परब उसी जीवनदर्शन का प्रतीक है।उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की पहचान उसकी जनजातीय संस्कृति और लोकपर्वों से है। हमारी संस्कृति केवल उत्सव नहीं, बल्कि पूर्वजों का ज्ञान और समाज को एकजुट रखने की भावना है। इसे जीवंत रखना और भावी पीढ़ियों तक पहुंचाना हम सभी की जिम्मेदारी है। ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति से जोड़ने का सशक्त माध्यम हैं।

गनोद गांव में 50 लाख से बनेगा सामुदायिक भवन

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर रायपुर जिले के गनोद गांव में उरांव समाज के लिए 50 लाख रुपये की लागत से सामुदायिक भवन निर्माण की घोषणा की। उन्होंने कहा कि इससे समाज को सामाजिक-सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए बेहतर सुविधा मिलेगी। उरांव समाज द्वारा सांस्कृतिक परंपराओं के संरक्षण के प्रयासों की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री ने सभी को करम पूजा की बधाई दी। कार्यक्रम में वनवासी कल्याण आश्रम के पदाधिकारी, समाज प्रमुख बिंदेश्वर भगत, उरांव विकास संघ के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित थे।

डीए और एरियर्स की मांग को लेकर कर्मचारी संघ सक्रिय, सरकार से जल्द निर्णय की अपील

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। छत्तीसगढ़ में शासकीय कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के महंगाई भत्ते को लेकर हलचल तेज हो गई है। छत्तीसगढ़ मंत्रालयीन कर्मचारी संघ ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को पत्र लिखकर राज्योत्सव और दीपावली से पहले डीए वृद्धि की घोषणा करने की मांग की है।

4 लाख कर्मचारी-पेंशनर प्रभावित

संघ के मुताबिक, प्रदेश के लगभग 4 लाख शासकीय अधिकारी-कर्मचारी और पेंशनभोगी इस मांग से सीधे जुड़े हैं। संघ ने पत्र में कहा है कि 1 जनवरी 2026 से देय महंगाई भत्ते का बकाया एरियर्स सहित भुगतान किया जाए।

त्योहारों से पहले राहत की उम्मीद

मंत्रालयीन कर्मचारी संघ का कहना है कि लगातार बढ़ती महंगाई के बीच कर्मचारियों को आर्थिक राहत की सख्त जरूरत है। राज्योत्सव और दीपावली जैसे बड़े त्योहारों से पहले डीए की घोषणा नहीं होने से कर्मचारियों में निराशा और असंतोष का माहौल है। संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा केंद्रीय कर्मचारियों के डीए में बढ़ोतरी के बाद राज्य के कर्मचारियों को भी उसी अनुपात में लाभ मिलना चाहिए। समय पर निर्णय होने से न केवल कर्मचारियों को आर्थिक संबल मिलेगा, बल्कि त्योहारी सीजन में बाजार में भी रौनक बढ़ेगी।

उपमुख्यमंत्री साव ने एनआईटी में यूथ कॉन्क्लेव में युवाओं को किया संबोधित, कहा - विकसित भारत का नेतृत्व आज के युवा करेंगे

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। उपमुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव ने कहा कि विकसित भारत का सपना आज के युवाओं के लिए है और आने वाले समय में वही इसका नेतृत्व करेंगे। देश को युवाओं की प्रतिभा, ज्ञान और सामर्थ्य से बड़ी उम्मीदें हैं। श्री साव एनआईटी रायपुर में आयोजित दो दिवसीय यूथ कॉन्क्लेव-कम-नेशनल कॉन्फ्रेंस के समापन सत्र को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। यह आयोजन एनआईटी रायपुर और भारतीय राष्ट्रीय अभियांत्रिकी अकादमी (आईएनएई) द्वारा किया गया था। उन्होंने कहा कि इंजीनियरिंग और तकनीकी शिक्षा हासिल कर रहे युवाओं को अपने ज्ञान और नवाचार का उपयोग केवल व्यक्तिगत उपलब्धियों तक सीमित नहीं रखना चाहिए, बल्कि उसे समाज और राष्ट्रहित में लगाना चाहिए।

विकसित भारत युवाओं के लिए - अरुण साव

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार विकसित भारत की परिकल्पना पर काम कर रही है। युवाओं को आगे बढ़ने और प्रतिभा दिखाने के अवसर मिल रहे हैं। उन्होंने भावनात्मक संवाद करते हुए कहा कि हमारी पीढ़ी के लोग उस समय रहें या न रहें, लेकिन जब विकसित भारत दुनिया में गौरव के साथ खड़ा होगा, तब उसका नेतृत्व आज के युवा ही कर रहे होंगे। इसलिए अभी से युवाओं को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। समापन सत्र में उत्कृष्ट शोधपत्र, परियोजना प्रदर्शनी और हैकाथॉन में उल्लेखनीय योगदान देने वाले युवा प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया।

मुख्यमंत्री से वायु सेना की सारंग टीम ने की मुलाकात, 2 नवंबर को नवा रायपुर में होगा भव्य एयर शो

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से आज उनके निवास कार्यालय में भारतीय वायु सेना की प्रतिष्ठित सारंग हेलीकॉप्टर डिस्प्ले टीम ने सौजन्य मुलाकात की। टीम ने मुख्यमंत्री को स्मृति चिन्ह भेंट किया। मुख्यमंत्री ने सारंग टीम का छत्तीसगढ़ की धरा पर स्वागत करते हुए कहा कि राज्योत्सव में उनकी सहभागिता प्रदेश के लिए गौरव की बात है। यह एयर शो युवाओं में देशभक्ति और राष्ट्रसेवा का संकल्प मजबूत करेगा।

2 नवंबर को सेंध लेक में एयर शो

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस पर 2 नवंबर को सुबह 11 बजे नवा रायपुर अटल नगर स्थित सेंध लेक क्षेत्र में भव्य एयर शो होगा। ग्रुप कैप्टन अभिजीत कुमार के नेतृत्व में 5 स्वदेशी 'ध्रुव' हेलीकॉप्टर हैरतअंगेज करतब दिखाएंगे। टीम में दो महिला पायलट स्क्वाड्रन लीडर अंकिता और स्क्वाड्रन लीडर अक्षया भी शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इनकी सहभागिता प्रदेश की बेटियों को ऊंचे सपने देखने और उन्हें साकार करने की प्रेरणा देगी। रक्षा जैसे क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी नए भारत की तस्वीर है। सारंग टीम स्वदेशी एएलएच 'ध्रुव' हेलीकॉप्टरों से प्रदर्शन करती है, जो भारत की तकनीकी सामर्थ्य और आत्मनिर्भर भारत का प्रतीक है। टीम के हेलीकॉप्टरों का रंग संयोजन राष्ट्रीय पक्षी मोर से प्रेरित है। विश्व में हेलीकॉप्टर एयरोबैटिक प्रदर्शन करने वाली चुनिंदा 3 टीमों में सारंग शामिल है। ग्रुप कैप्टन अभिजीत कुमार ने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्योत्सव का हिस्सा बनना गर्व की बात है। टीम का उद्देश्य केवल करतब दिखाना नहीं, बल्कि युवाओं को साहस, अनुशासन और राष्ट्रसेवा के लिए प्रेरित करना भी है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के सलाहकार आर. कृष्णा दास और प्रेस अधिकारी आलोक सिंह उपस्थित थे।

2030 तक 5 करोड़ टन सीओ2 उत्सर्जन घटाने का लक्ष्य, भारत-यूएस टास्क फोर्स गठित

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

नई दिल्ली। भारत ने 2030 तक प्रतिवर्ष 50 लाख मीट्रिक टन (5 एमएमटी) ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। केंद्र सरकार द्वारा जारी फैक्टशीट के मुताबिक, यह पहल ऊर्जा सुरक्षा मजबूत करने, जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता घटाने और स्वच्छ ऊर्जा में भारत को वैश्विक लीडर बनाने की दिशा में बड़ा कदम है।

1 लाख करोड़ की बचत, 6 लाख रोजगार

राष्ट्रीय ग्रीन हाइड्रोजन मिशन के तहत 2030 तक जीवाश्म ईंधन आयात पर 1 लाख करोड़ रुपये की बचत का अनुमान। 8 लाख करोड़ रुपये से अधिक निवेश आने की उम्मीद। विनिर्माण, बुनियादी ढांचा और रिसर्च में 6 लाख से अधिक रोजगार सृजित होंगे। हर साल 5 करोड़ टन सीओटू उत्सर्जन रोका जा सकेगा।

6 राज्यों ने बनाई नीति

ग्रीन हाइड्रोजन को बढ़ावा देने के लिए 6 राज्यों - गुजरात, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और पश्चिम बंगाल ने समर्पित नीतियां अधिसूचित की हैं। हरियाणा, पंजाब, बिहार और केरल अपनी नीतियों को अंतिम रूप दे रहे हैं। वहीं हिमाचल, मध्यप्रदेश, ओडिशा, तेलंगाना और छत्तीसगढ़ ने इसे अपनी मौजूदा औद्योगिक नीति में शामिल किया है।

वैश्विक सहयोग

नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने ऑस्ट्रेलिया, फिनलैंड, फ्रांस, जर्मनी, सऊदी अरब, यूएई और उज्बेकिस्तान के साथ समझौते किए हैं। अमेरिका के साथ स्ट्रैटेजिक क्लीन एनर्जी पार्टनरशिप के तहत इंडिया-यूएस हाइड्रोजन टास्क फोर्स भी बनी है।

सर्टिफिकेशन योजना

अप्रैल 2025 में ग्रीन हाइड्रोजन सर्टिफिकेशन स्कीम शुरू की गई थी। ब्यूरो ऑफ एनर्जी एफिशिएंसी (बीईई) एजेंसियों को अधिकृत करता है, जून 2026 में इसके लिए डिजिटल पोर्टल भी लॉन्च हुआ है। सरकार का लक्ष्य भारत को ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन, उपयोग और निर्यात का वैश्विक केंद्र बनाना है

सिंगरौली में थोक अपशिष्ट उत्पादकों को कचरा प्रबंधन के नियमों की दी जानकारी

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सिंगरौली।स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) 2.0 के तहत नगर निगम ने थोक अपशिष्ट उत्पादकों को ठोस कचरा प्रबंधन के नियमों और उनके दायित्वों की जानकारी देने के लिए मंगलवार को होटल सत्या इंटरनेशनल में एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की। इसमें विभिन्न संस्थानों के करीब 68 प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के दिशा-निर्देशों के तहत फीडबैक फाउंडेशन के तत्वावधान में आयोजित कार्यशाला में आवासीय परिसरों, वाणिज्यिक एवं औद्योगिक प्रतिष्ठानों, शैक्षणिक और धार्मिक संस्थानों तथा शासकीय एवं निजी कार्यालयों के प्रतिनिधि शामिल हुए। नगर निगम के उपायुक्त आर.पी. बैस, स्वास्थ्य अधिकारी बी.जी. चतुर्वेदी और जिला पंचायत की प्रोजेक्ट ऑफिसर एवं जिला समन्वयक रक्षा सिंह की मौजूदगी में प्रतिभागियों को कचरा प्रबंधन की प्रक्रियाओं से अवगत कराया गया। कार्यशाला में फीडबैक फाउंडेशन के प्रशिक्षक आशीष विश्वास ने बताया कि निर्धारित मानकों के अनुसार 20 हजार वर्ग मीटर या उससे अधिक कुल फर्श क्षेत्रफल, प्रतिदिन 40 हजार लीटर या उससे अधिक पानी की खपत अथवा प्रतिदिन 100 किलोग्राम या उससे अधिक ठोस कचरा उत्पन्न करने वाली संस्थाएं थोक अपशिष्ट उत्पादक की श्रेणी में आ सकती हैं। प्रतिभागियों को ऑनलाइन पंजीयन, कचरे को चार श्रेणियों में अलग-अलग रखने, गीले कचरे का परिसर में प्रसंस्करण कराने, अधिकृत एजेंसियों को कचरा सौंपने, आवश्यक प्रमाणपत्र लेने और वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करने की प्रक्रिया समझाई गई। साथ ही कर्मचारियों और उपयोगकताओं को जागरूक करने, अभिलेख संधारित करने तथा विशेष प्रकार के कचरे का नियमानुसार पृथक प्रबंधन करने पर जोर दिया गया। नगर निगम की ओर से बताया गया कि थोक अपशिष्ट उत्पादकों को पंजीयन, प्रशिक्षण और तकनीकी मार्गदर्शन के साथ अधिकृत एजेंसियों के माध्यम से कचरा संग्रहण एवं परिवहन में भी सहयोग दिया जा सकता है। कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं का समाधान किया गया और उनसे सुझाव भी लिए गए। कार्यक्रम का संचालन फीडबैक फाउंडेशन के प्रतिनिधि संदीप सोनी ने किया। नगर निगम की ओर से आशीष शुक्ला ने सहयोग दिया। अंत में प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र वितरित किए गए।

लोकनिर्माण विभाग पर लापरवाही का आरोप, सड़क पर डस्ट से परेशान हो रहे लोग

एसडीएम से शिकायत

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। भैयाथान के जनपद सदस्य अभय प्रताप सिंह एंव दुलारी देवी ने लोक निर्माण विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाया है।

जनपद सदस्य द्वय ने एसडीएम को दिए एक लिखित शिकायत में कहा है कि ग्राम पंचायत सलका-अधिना मुख्य मार्ग में पी.डब्ल.डी. के द्वारा बरसात से पूर्व डस्ट डालकर छोड दिया गया है। अभी वर्तमान में बरसात खत्म होने के उपरांत सडक पर वाहन चलने के दौरान भारी मात्रा में धूल उडने से ग्रामीणों को आवागमन, सड़क किनारे स्थित दुकानों में धूल जमाव सहित अनेक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जिसका सीधा प्रभाव ग्रामीणों के स्वास्थ्य पर भी हो रहा है। जिसका समाधान किया जाना अति आवश्यक है।

पूर्व में पी.डब्लू.डी.के विभाग के अधिकारियों को उक्त संबंध में अवगत कराया गया था, किन्तु इनके द्वारा किसी प्रकार का कोई पहल नहीं किया गया है। जिससे ग्रामीणों में रोष व्याप्त है।कहा गया है कि उक्त समस्या का 07 दिवस के भीतर निराकरण न होने पर चक्काजाम को विवश होंगे।

प्रेमनगर में शिक्षाकर्मी भर्ती में भारी गड़बड़ी

शिवसेना का आरोप जो नहीं है पात्र वे भी कर रहे नौकरी, जांच व कार्रवाई की मांग

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। शिवसेना की महिला इकाई ने प्रेमनगर थाना एवं जनपद सीईओ को मय दस्तावेज आवेदन सौपकर वर्ष 2007 एवं 08 में शिक्षा कर्मी वर्ग-3 की नियुक्ति फर्जी दस्तावेज के माध्यम से प्राप्त करने का आरोप लगाते हुए अनावेदको एवं चयन समितियों के साथ 2016 मे बगैर सत्यापन के नियमितीकरण करने वाले अधिकारियों के विरूद्ध जांच व कार्यवाई की मांग की है। थाना व जनपद सीईओ को दिए आवेदन में महिला शिवसेना जिलाध्यक्ष बालकुंवर राजवाड़े ने बताया है कि जनपद पंचायत प्रेमनगर मे वर्ष 2007-08 में शासन के निर्देश पर शिक्षाकर्मी वर्ग 3 की भर्ती की गई थी। उक्त भर्ती प्रकिया में कई अभ्यर्थी फर्जी दस्तावेज के माध्यम से शिक्षा कर्मी की नौकरी प्राप्त कर 17 - 18 वर्षो से नौकरी कर रहे है और वेतन आहरण कर शासन की राशि पर डाका डाला जा रहा है। उक्त मामले के सम्बंध में उनके फर्जी दस्तावेजो के साथ जनपद एवं शिक्षा अधिकारियो को कई बार अवगत कराया गया है। आरोप यह भी लगाया गया है कि उक्त अधिकारी एवं विभाग के संबंधित बाबूओं द्वारा उक्त आवेदको के दस्तावेजों को छुपाने की कोशिश की गई और उक्त अनावेदको का वेतन आहरण कराने में मदद किया गया है। साथ ही बाबूओं के द्वारा सांठ -गांठ कर जनपद से

बगैर दस्तावेजो की जांच किये नियमीतिकरण भी कर दिया गया, जो कि जांच का विषय है। उक्त नियमतीकरण करने वाले अधिकारियों पर भी एफ.आई.आर. करने की मांग की गई है। आवेदन में कुछ ऐसे शिक्षको के नाम का उल्लेख किया गया है जिन पर फर्जी दस्तावेजों के आधार पर नौकरी प्राप्त करने का आरोप लगाया गया है। जिनमे संगीता पति धमेन्द्र तारकेश्वरपुर, उक्त अनावेदिका की 2007 मे वर्ग 3 में नियुक्ति हुई है जिनका 12 वीं के अंकसूची में पूर्णांक 500 में प्राप्तांक अंक 293 है जो 58.2 प्रतिशत है जबकि नियुक्ति के समय 383 अंक प्राप्त है जो 76.60 प्रतिशत अंतिम चयन सूची में 70 प्रतिशत 53.62 प्रतिशत और स्काउट गाइ?ड 2.5 का अंक प्राप्त है। जो कि अतिम चयन सूची में 76.62 प्रतिशत अंक दिया गया है। जो मूल अंकसूची में प्राप्त प्रतिशत से अधिक है। विजय कुमार आ. नानक राम, सोनपुर रामानुजनगर की 2007 की नियुक्ति है जिनका अनुभव प्रमाण पत्र फर्जी है। पूर्व माध्यमिक शाला चन्दरपुर रामानुजनगर से जारी किया गया है। उक्त वर्ष में अनावेदक उक्त शाला में जनभागीदारी में नहीं पढ़ाया है। जिसका प्रमाण उपस्थित पंजी से प्राप्त हुआ है। उक्त व्यक्ति का शिक्षकों की उपस्थिति पंजी में कहीं कोई उल्लेख नहीं है।

कोलोडिया तिर्की आ. राजू तिर्की नियुक्ति वर्ष 2008 का है जो धनुहारपारा भगवानपुर प्रेमनगर में पदस्थ है जिसे डी. एड. का अंक प्राप्त है। 2008 में डी.एड प्रमाण पेश किया है। वर्ष 2013 में प्रेमनगर हॉयर सेकेण्डरी स्कूल में डी.एड. का परीक्षा दी है। और खास बात यह है कि उक्त अनावेदिका का नाम काउसंलिंग मे है। लेकिन अंतिम चयन सूची में नाम नहीं है फिर भी चयनित हुई है जो जांच का विषय है।इसी तरह शबनम खातुन 2008 की नियुकित है उक्त अनावेदिका के द्वारा 2008 में डी. एड. प्रमाण पत्र पेश किया गया है जिसका अंक 10 प्राप्त है। किन्तु उक्त अनावेदिका ने हॉयर सेकेण्डरी प्रेमनगर से 2013 में डी.एड. की परीक्षा दी है। जो कि उक्त अनावेदिका 2008 का डी. एड. प्रामण पत्र फर्जी है। देवनारायण सिंह 2008 का नियुक्ति है उक्त अनावेदक जो डी. एड प्रमाण पत्र पेश किया गया है उक्त प्रमाण पत्र युपी का है और फर्जी है। एवं उक्त अनावेदक का उम्र नियुक्ति के समय अधिक था नुयिक्ति का पात्र नहीं था। और खास बात यह है कि अनावेदक काउंसलिंग सूची में नाम था किंतु अंतिम चयन सूची में नाम नहीं है। जो कि नियुक्ति के समय अपात्र था फिर भी उक्त व्यक्ति की नियुक्ति किस आधार पर की गई है यह गंभीर जांच का विषय है।शिवसेना ने अनावेदको के समस्त प्रमाण पत्रों का तत्काल सत्यापन करा कर अनावेदको एवं चयन समिति एवं नियुक्ति अधिकारियों के विरुद्ध आपराधिक प्रकरण दर्ज किए जाने की मांग आवेदन के माध्यम से की है। आवेदन सौपने के दौरान शिवसेना के जिलाध्यक्ष हेमंत महंत, शिवचरण महंत, अशोक ठाकुर, गोलू देवांगन, लक्षण सिंह, एमडी महंत एवं संतोष गोयन शामिल थे।

सहकारी बैंक में विड्रॉल से भुगतान पर रोक, खाली हाथ लौटा 30 किमी दूर से आया ग्रामीण

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। सहकारी बैंक ओड़गी में अपना ही पैसा निकालने के लिए ग्रामीणों को परेशान होना पड़ रहा है। आरोप है कि बैंक मैनेजर संतोष कुमार जायसवाल और कैशियर चंद्रशेखर ने विड्रॉल फॉर्म से नकद भुगतान के बजाय चेक लाना अनिवार्य कर दिया है। इससे दूर-दराज से आने वाले खाताधारकों को निराश होकर लौटना पड़ रहा है। ताजा मामला ग्राम पंचायत बांक के आश्रित ग्राम थरगी निवासी पारसनाथ का है। गांव से ओड़गी ब्लॉक मुख्यालय की दूरी करीब 30 किलोमीटर है। पारसनाथ सहकारी बैंक में अपने खाते से 3,500 रुपये निकालने पहुंचे थे। उन्होंने विड्रॉल फॉर्म भरकर भुगतान मांगा, लेकिन आरोप है कि मैनेजर ने उन्हें डांट-फटकार कर वापस भेज दिया। नतीजतन, लंबी दूरी तय करने के बाद भी उन्हें अपने खाते से पैसे नहीं मिले। इसी दिन ओड़गी में साप्ताहिक बाजार भी लगता है। ग्रामीण बैंक से पैसे निकालकर सप्ताहभर के राशन और घरेलू जरूरतों का सामान खरीदते हैं। ऐसे में भुगतान नहीं मिलने से उनकी परेशानी बढ़ जाती है। सवाल बैंक की जवाबदेही और खाताधारकों के प्रति व्यवहार पर है।बैंकिंग नियमों के तहत नकद निकासी खाते के प्रकार और उस पर

लागू शर्तों के अनुसार होती है। चेक की अनिवार्यता हर खाते पर स्वतः लागू नहीं मानी जा सकती। यदि संबंधित खाते में विड्रॉल फॉर्म से निकासी की अनुमति है, तो भुगतान रोकने का स्पष्ट नियमसम्मत आधार होना चाहिए।

इस संबंध में डिप्टी रजिस्ट्रार अनिल कुमार बनाज ने कहा कि पहले खाते का प्रकार देखना होगा। यदि चेक जारी किया गया है, तो उससे भुगतान किया जा सकता है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि चेक नहीं होने पर विड्रॉल फॉर्म से भी पैसे निकाले जा सकते हैं।

सामुदायिक वन संसाधन निगरानी समिति की बैठक 30 अक्टूबर को

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी की अध्यक्षता में जिला स्तरीय सामुदायिक वन संसाधन निगरानी समिति की बैठक 30 अक्टूबर कलेक्ट्रेट सभाकक्ष आयोजित की जाएगी। जिसमें समिति के सदस्य व संबंधित अधिकारी उपस्थित रहेंगे।

मौसम ने बदली करवट, किसानों को सता रही धान की बर्बाद होने की चिंता

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर/बिहारपुर। सूरजपुर जिले के चांदनी बिहारपुर क्षेत्र में मौसम में आए बदलाव और बारिश ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। क्षेत्र में धान की कटाई का काम जारी है। कुछ किसानों की धान की फसल कट चुकी है, जबकि कई किसानों की फसल खेतों में पककर तैयार खड़ी है। ऐसे में यदि तेज बारिश होती है, तो किसानों को धान की फसल खराब होने और आर्थिक नुकसान उठाने की आशंका सता रही है। किसानों का कहना है कि इस समय धान की फसल कटाई के लिए तैयार है। कई किसान कटाई कर चुके हैं, जबकि कुछ किसानों की फसल अभी खेतों में ही खड़ी है। मौसम खराब होने से कटाई और मिंजाई का काम प्रभावित हो सकता है। खेतों में खड़ी फसल के साथ कटाई के बाद रखे धान को भी नुकसान पहुंचने की चिंता बनी हुई है। किसानों को आशंका है कि लगातार बारिश होने पर धान की बालियां भीग जाएंगी

और फसल की गुणवत्ता प्रभावित होगी। जिला प्रशासन ने आपातकालीन सहायता के लिए जिला स्तरीय कंट्रोल रूम का दूरभाष नंबर 07775-266116 जारी किया है। संभावित आपदा से निपटने के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों को सतर्क रहने तथा जरूरत पड़ने पर तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन ने आम नागरिकों से मौसम संबंधी सावधानियां बरतने, नदी-नालों एवं जलभराव वाले क्षेत्रों से सुरक्षित दूरी बनाए रखने और किसी भी आपात स्थिति की सूचना तत्काल कंट्रोल रूम को देने की अपील की है।

किसानों को सतर्क रहने की जरूरत

मौसम में आए बदलाव को देखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे मौसम की स्थिति पर नजर रखें और जहां संभव हो, कटी हुई धान की फसल को सुरक्षित स्थान पर रखें। खेतों में कटाई के लिए तैयार फसल को लेकर भी सतर्कता बरतें, ताकि संभावित बारिश से नुकसान कम किया जा सके। क्षेत्र के किसानों की नजर मौसम पर टिकी हुई है। किसानों को उम्मीद है कि मौसम जल्द साफ होगा और वे समय पर धान की कटाई एवं मिंजाई का काम पूरा कर सकेंगे।

राहगीरों को तलवार दिखाकर डराने वाला युवक गिरफ्तार, न्यायिक रिमांड पर भेजा गया जेल

जांजगीर-चांपा, (एजेंसी)। जिले के बिर्रा थाना क्षेत्र में सार्वजनिक स्थान पर लोहे की धारदार तलवार लेकर राहगीरों को डराने-धमकाने के आरोप में पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से तलवार जब्त कर आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की और उसे न्यायिक रिमांड पर भेज दिया।

पुलिस के अनुसार, 28 अक्टूबर को मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम गतवा के राधाकृष्ण चौक के पास एक युवक लोहे की तलवार लेकर सड़क से गुजरने वाले लोगों को डरा-धमका रहा है। सूचना पर बिर्रा पुलिस की टीम ने मौके पर पहुंचकर गवाहों की मौजूदगी में घेराबंदी की और आरोपी को पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी की पहचान तुकाराम साहू (26), पिता श्यामलाल साहू, निवासी ग्राम गतवा, थाना बिर्रा, जिला जांजगीर-चांपा के रूप में हुई। तलवार रखने के संबंध में वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करने पर पुलिस ने हथियार जब्त कर थाना बिर्रा में अपराध क्रमांक 150/2026 के तहत आर्म्स एक्ट की धारा 25 एवं 27 में मामला दर्ज किया। कार्रवाई में थाना प्रभारी राजीव श्रीवास्तव, सहायक उप निरीक्षक तीजराम जांगड़े तथा आरक्षक दीपक तिवारी और रामसाय साहू की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

चक्रवात 'अर्नब का छत्तीसगढ़ में असर, भारी बारिश और तेज हवाओं की चेतावनी, किसानों को सतर्क रहने की सलाह

रायपुर, (एजेंसी)। बंगाल की खाड़ी में सक्रिय अत्यंत भीषण चक्रवाती तूफान 'अर्नब' के प्रभाव से छत्तीसगढ़ के विभिन्न हिस्सों में आगामी दिनों में भारी बारिश, गरज-चमक और तेज हवाएं चलने की संभावना है। इसे देखते हुए इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर के कृषि मौसम विज्ञान विभाग ने प्रदेश के किसानों के लिए विशेष मौसम आधारित कृषि सलाह जारी की है। विभाग ने किसानों को सतर्क रहने तथा धान सहित अन्य खरीफ फसलों, उद्यानिकी फसलों और पशुधन की सुरक्षा के लिए आवश्यक एहतियाती उपाय अपनाने की सलाह दी है।

कृषि मौसम विज्ञान विभाग द्वारा जारी पूर्वानुमान के अनुसार, पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी में सक्रिय चक्रवाती तूफान 'अर्नब' 28 अक्टूबर को सुबह 2 बजे से 8 बजे के बीच आंध्रप्रदेश के तटीय क्षेत्रों को पार कर गया है। इसके प्रभाव से छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों में 28 अक्टूबर से 1 नवंबर तक अलग-अलग स्थानों पर हल्की से अति भारी वर्षा होने की संभावना व्यक्त की गई है।

मौसम विभाग के अनुसार 28 अक्टूबर को प्रदेश के अधिकांश स्थानों पर मध्यम वर्षा (15 से 64 मिमी), कुछ स्थानों पर भारी वर्षा (64 से 115 मिमी) तथा एक-दो स्थानों पर अति भारी वर्षा (115 से 204 मिमी) हो सकती है। इसके साथ ही गरज-चमक, वज्रपात और 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है। हवा की गति कुछ स्थानों पर 70 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती है।

कृषि मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार 28 अक्टूबर को सरगुजा, सूरजपुर, बलरामपुर-रामानुजगंज, जशपुर, रायगढ़, जांजगीर-चांपा, सक्ती, सारंगढ़-बिलाईगढ़, रायपुर, कोरिया, बिलासपुर, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, मुंगेली, कबीरधाम, बेमेतरा, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई, राजनांदगांव एवं मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिलों में एक-दो स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है।

वहीं बलौदाबाजार-भाटापारा, महासमुंद, रायपुर, दुर्ग, बालोद, धमतरी, कांकेर, नारायणपुर, बस्तर, बीजापुर, दंतेवाड़ा एवं सुकमा जिलों में अधिकांश स्थानों पर भारी से अति भारी वर्षा के साथ गरज-चमक,

वज्रपात और तेज हवाएं चलने की संभावना व्यक्त की गई है।

मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार 29 अक्टूबर को प्रदेश के बस्तर, बलरामपुर-रामानुजगंज, सूरजपुर, कोरिया एवं कोरबा जिलों में एक-दो स्थानों पर भारी से अति भारी वर्षा हो सकती है। इसी प्रकार मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, सरगुजा, जशपुर, रायगढ़, सक्ती, सारंगढ़- बिलाईगढ़, बिलासपुर, मुंगेली, कबीरधाम, बेमेतरा, बलौदाबाजार-भाटापारा, महासमुंद, खैरागढ़- छुईखदान-गंडई, राजनांदगांव, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी, बालोद, दुर्ग, धमतरी, गरियाबंद एवं रायपुर जिलों में अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा की संभावना है।

30 अक्टूबर से 1 नवंबर के बीच प्रदेश के मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, कोरिया, सूरजपुर, बलरामपुर-रामानुजगंज, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, कोरबा, मुंगेली, रायगढ़, जांजगीर-चांपा, सक्ती, सारंगढ़- बिलाईगढ़ एवं बिलासपुर सहित विभिन्न जिलों में हल्की से मध्यम वर्षा तथा एक-दो स्थानों पर गरज-चमक के साथ वज्रपात होने की संभावना जताई गई है।

कृषि मौसम विज्ञान विभाग ने किसानों को सलाह दी है कि मौसम पूर्वानुमान के अनुसार आगामी दिनों में वर्षा की संभावना को देखते हुए धान, मक्का एवं तिलहन सहित खरीफ फसलों की पकने की अवस्था में शीघ्र कटाई कर उन्हें सुरक्षित स्थानों पर भंडारित करें। जिन किसानों ने फसलों की कटाई प्रारंभ कर दी है, वे कटी हुई फसलों को शीघ्र सुरक्षित स्थानों पर रखें। खेतों में खड़ी फसलों की नियमित निगरानी करें तथा वर्षा के कारण खेतों में जलभराव की स्थिति उत्पन्न न होने दें।

किसानों को खेतों में अतिरिक्त जल की निकासी की समुचित व्यवस्था करने तथा फसलों के गिरने से बचाव के लिए आवश्यक उपाय अपनाने की सलाह दी गई है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि आगामी दिनों में वर्षा की संभावना को देखते हुए किसान फिलहाल गेहूं चना एवं मसूर जैसी रबी फसलों की बुआई स्थगित रखें। मौसम साफ होने के बाद नवंबर के प्रथम सप्ताह में रबी फसलों की बुआई प्रारंभ करने की सलाह दी गई है।

कृषि मौसम विज्ञान विभाग ने किसानों को उपज की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी है। किसानों से कहा गया है कि शीघ्र खराब होने वाली कृषि उपज को ढंककर रखें। अनाज का भंडारण साफ, हवादार एवं सुरक्षित स्थानों पर करें। भंडारण से पहले अनाज को उपयुक्त नमी स्तर तक सुखाना आवश्यक है।

बीजों के भंडारण से पहले उनकी अंकुरण क्षमता एवं कीट प्रबंधन का ध्यान रखें। भंडारण स्थलों में छत, फर्श एवं जल निकासी की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करें, ताकि बारिश के कारण उपज को नुकसान न पहुंचे। विभाग ने किसानों को मौसम साफ होने तक फसलों में किसी भी प्रकार के कीटनाशक एवं खरपतवार नाशक का छिड़काव नहीं करने की सलाह दी है।

चक्रवात के प्रभाव से संभावित तेज हवाओं एवं बारिश को देखते हुए सब्जी एवं बागवानी फसलों की सुरक्षा के लिए भी विशेष दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। कृषि मौसम विज्ञान विभाग ने सलाह दी है कि जिन सब्जियों एवं बागवानी फसलों की उपज पक चुकी है, उनकी शीघ्र तुड़ाई एवं कटाई कर बाजार भेजने की व्यवस्था करें। बागवानी फसलों में उर्वरकों का प्रयोग मौसम साफ होने के बाद ही करें। रबी मौसम की सब्जियों, विशेषकर फूलगोभी, ब्रोकोली, चुकंदर, पत्तागोभी एवं अन्य सब्जियों की बुआई तथा रोपाई नवंबर के प्रथम सप्ताह से प्रारंभ करने की सलाह दी गई है।

चक्रवात के कारण तेज हवाओं एवं वर्षा से लता वाली सब्जियों, जैसे करेला और लौकी सहित अन्य कद्दूवर्गीय फसलों को नुकसान पहुंचने की आशंका है। इसके लिए किसानों को सलाह दी जाती है कि ऐसे फसल को सहारा देने की व्यवस्था करने को कहा गया है। केले के पौधों में फूल एवं फल आने की अवस्था में उन्हें बांस से सहारा देने तथा वर्षा की संभावना को देखते हुए खेतों में जल निकासी की व्यवस्था सुनिश्चित करने की सलाह दी गई है।

विभाग ने सब्जियों एवं बागवानी फसलों में कीटों और बीमारियों के लक्षण दिखाई देने पर मौसम साफ होने के बाद उपयुक्त कीटनाशकों एवं फफूंदनाशकों का छिड़काव करने की सलाह दी है। साथ ही आलू की फसल में वर्षा के बाद झुलसा रोग तथा अन्य फसलों में रोगों के संभावित प्रकोप को देखते हुए नियमित निरीक्षण करने एवं आवश्यकता के अनुसार नियंत्रण के उपाय अपनाने को कहा गया है।

कृषि मौसम विज्ञान विभाग ने पशुपालकों को भी विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी है। विभाग के अनुसार आगामी दिनों में संभावित वर्षा एवं तेज हवाओं को देखते हुए पशुओं को सूखे और सुरक्षित स्थानों पर रखा जाए। पशुओं को तेज हवाओं एवं वज्रपात की आशंका के दौरान पेड़ों के नीचे आश्रय लेने से बचाया जाए। पशुओं के लिए स्वच्छ पेयजल तथा सूखे चारे की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। विभाग ने पशुपालकों को हरा चारा, सूखा चारा एवं पशु आहार सुरक्षित स्थानों पर रखने की सलाह दी है, ताकि वर्षा के कारण चारे की गुणवत्ता प्रभावित न हो। पशुओं में अचानक सुस्ती, भूख में कमी, दस्त अथवा सांस संबंधी परेशानी के लक्षण दिखाई देने पर तत्काल पशु चिकित्सक से संपर्क करने की सलाह दी गई है।

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कृषि मौसम विज्ञान विभाग ने किसानों से अपील की है कि वे मौसम की बदलती परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए ही कृषि कार्यों की योजना बनाएं। विभाग ने किसानों को मौसम संबंधी नवीनतम जानकारी प्राप्त करते रहने, खेतों में जल निकासी की व्यवस्था सुनिश्चित करने, पकी फसलों की कटाई एवं भंडारण में सावधानी बरतने तथा तेज बारिश एवं वज्रपात की स्थिति में अनावश्यक रूप से खेतों में नहीं जाने की सलाह दी है। कृषि मौसम विज्ञान विभाग ने कहा है कि समय पर आवश्यक सावधानियां अपनाकर किसान चक्रवात के संभावित प्रभावों से अपनी फसलों, कृषि उपज एवं पशुधन को होने वाले नुकसान को काफी हद तक कम कर सकते हैं।

गौवंश तस्करी मामले में फरार 2 आरोपी गिरफ्तार

ऑपरेशन शंखनाद के तहत जशपुर पुलिस की बड़ी कार्रवाई

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुर। ऑपरेशन शंखनाद के तहत जशपुर पुलिस को गौ तस्करी के मामले में बड़ी सफलता मिली है। महीनों से फरार चल रहे दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। एक आरोपी को लोदाम से और दूसरे को झारखंड के गुमला जिले से पकड़ा गया है।

नाकाबंदी में पकड़ी गई थी पिकअप, 11 गौवंश कराए गए थे मुक्त

मामला थाना लोदाम क्षेत्र का है। 7 दिसंबर 2025 को मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने ग्राम भलमंडा के पास नेशनल हाईवे पर नाकाबंदी की थी। इस दौरान पिकअप वाहन क्रमांक जेएच-10-बीएस-8773 को पकड़ा गया। वाहन सवार अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए थे।मौके पर पुलिस ने वाहन में क्रूरतापूर्वक भरे गए 11 नग गौवंशों को मुक्त कराया और वाहन को जब्त किया। थाना लोदाम में छत्तीसगढ़ कृषक पशु परिरक्षण अधिनियम 2004 की धारा 4, 6, 10 के तहत अपराध दर्ज किया गया।

पूछताछ में दो अन्य के नाम आए थे सामने

विवेचना के दौरान पुलिस ने वाहन के नंबर और मुखबिर की सूचना पर आरोपी मंजीत जांगड़े (23 वर्ष, निवासी चंद्रपुर, जिला सक्ती) को गिरफ्तार किया था। पूछताछ में उसने दो अन्य साथियों के नाम बताए बशी अहमद और इमरोज खान। मंजीत को पहले ही जेल भेजा जा चुका था, जबकि दोनों अन्य आरोपी घटना के बाद से फरार थे।

मुखबिर की सूचना पर घेराबंदी कर पकड़े गए

26 अक्टूबर 2026 को मुखबिर से सूचना मिली कि आरोपी बशी अहमद लोदाम के बाजार डांड़ में देखा गया है। पुलिस ने घेराबंदी कर उसे पकड़ा। उसी दिन दूसरे आरोपी को झारखंड से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपी बशी अहमद, उम्र 35 वर्ष, निवासी साईं टांगरटोली, थाना लोदाम, जिला जशपुर तथा इमरोज खान, उम्र 40 वर्ष, निवासी बरगीडांड, थाना रायडीह, जिला गुमला (झारखंड) हैं। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक हीरो एचएफ डीलक्स मोटरसाइकिल, मोबाइल फोन और 1000 रुपये नकद जब्त किया है।

पुलिस की कार्रवाई जारी

डीआईजी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह ने बताया कि गौ तस्करी के खिलाफ ऑपरेशन शंखनाद के तहत लगातार कार्रवाई जारी है। फरार आरोपियों की पतासाजी कर गिरफ्तारी की जा रही है। तस्करी में लिप्त किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी लोदाम निरीक्षक कृष्ण कुमार साहू, आरक्षक बसंत खुटिया, बूटा सिंह, जगजीवन यादव, अजय यादव और जशवंत मिंज की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर छात्रावास भवन निर्माण में तेजी, 3.45 करोड़ से बन रहा प्री-मैट्रिक और पोस्ट-मैट्रिक छात्रावास

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देशानुसार जिले में विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से छात्रावास भवन निर्माण कार्य को गति दी जा रही है। इसी कड़ी में जशपुर जिले के फरसाबहार तहसील क्षेत्र अंतर्गत पंडरीपानी में प्री-मैट्रिक एवं पोस्ट-मैट्रिक छात्रावास भवन का निर्माण किया जा रहा है। इस निर्माण कार्य के लिए 3 करोड़ 45 लाख रुपये की स्वीकृति मिली है। इस छात्रावास भवन के निर्माण से अनुसूचित जनजाति वर्ग के विद्यार्थियों को आवासीय सुविधा उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। आधुनिक सुविधाओं से युक्त छात्रावास में विद्यार्थियों को पढ़ाई के लिए बेहतर वातावरण मिल सकेगा। इससे दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को शिक्षा प्राप्त करने में सहूलियत होगी तथा उन्हें अपनी पढ़ाई नियमित रूप से जारी रखने का अवसर मिलेगा।

विद्यार्थियों की सुविधा और शिक्षा पर जोर

छात्रावास भवन का निर्माण पूरा होने के बाद विद्यार्थियों को सुरक्षित एवं सुविधाजनक आवासीय वातावरण उपलब्ध कराने में सहायता मिलेगी। प्री-मैट्रिक और पोस्ट-मैट्रिक स्तर के विद्यार्थियों के लिए छात्रावास की सुविधा शिक्षा के प्रति उनकी निरंतरता बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देशानुसार जिले में शैक्षणिक अधोसंरचना के विकास और विद्यार्थियों के लिए आवश्यक सुविधाओं के विस्तार पर ध्यान दिया जा रहा है। पंडरीपानी में निर्माणाधीन छात्रावास भवन इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जिससे क्षेत्र के अनुसूचित जनजाति विद्यार्थियों को लाभ मिलने की उम्मीद है।

श्री राधा कृष्ण मंदिर पमशाला में भव्य धार्मिक कार्यक्रम शुरू, 24 नवंबर तक रोज होगा भजन-कीर्तन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुर। कार्तिक मास के पावन अवसर पर श्री राधा कृष्ण मंदिर पमशाला में आज 27 अक्टूबर से भव्य धार्मिक कार्यक्रम का शुभारंभ हो गया है। मंदिर परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम के अंतर्गत 24 नवंबर तक प्रतिदिन सुबह 8 बजे से एवं शाम 5 बजे से भजन-कीर्तन का आयोजन किया जाएगा। इस धार्मिक आयोजन से क्षेत्र में भक्तिमय वातावरण बनेगा तथा श्रद्धालुओं को भगवान श्री राधा-कृष्ण की भक्ति और आराधना से जुड़ने का अवसर मिलेगा।

एक माह तक गूंजेंगे भजन-कीर्तन के स्वर

कार्तिक मास को सनातन धर्म में विशेष पुण्य और भक्ति का महीना माना जाता है। इसी धार्मिक महत्त्व को ध्यान में रखते हुए श्री राधा कृष्ण मंदिर पमशाला में यह आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान प्रतिदिन भजन-कीर्तन के माध्यम से भगवान का गुणगान किया जाएगा। आयोजकों ने क्षेत्र के सभी धर्मप्रेमियों से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर धर्मलाभ प्राप्त करने की अपील की है।

भजन-कीर्तन मंडलियों को भी आमंत्रण

अखिल भारतीय कंवर समाज के राष्ट्रीय अध्यक्षा श्रीमती कौशल्या साय ने बताया कि इस धार्मिक कार्यक्रम में भजन-कीर्तन मंडलियां भी शामिल हो सकती हैं और अपनी भक्तिमय प्रस्तुतियों के माध्यम से कार्यक्रम में सहभागिता निभा सकती हैं। श्रद्धालुओं से दीप लेकर मंदिर प्रांगण में पहुंचने तथा सामूहिक भजन-कीर्तन में भाग लेने का आग्रह किया गया है। यह आयोजन ईब नदी तट स्थित श्री राधा कृष्ण मंदिर पमशाला में 27 अक्टूबर से 24 नवंबर तक चलेगा। कार्यक्रम का आयोजन अखिल भारतीय कंवर समाज, पमशाला की ओर से किया जा रहा है।

नाकाबंदी देखकर भागा गौ तस्करों का ट्रक, 38 गौवंश बरामद, एक आरोपी गिरफ्तार

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुर। ऑपरेशन शंखनाद के तहत जशपुर पुलिस ने गौ तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। 6 चक्का ट्रक में क्रूरतापूर्वक ठूंस-ठूंसकर ले जाए जा रहे 38 गौवंशों को बरामद किया गया है। नाकाबंदी देखकर तस्कर ट्रक छोड़कर भागने लगे, जिसमें एक आरोपी को पकड़ लिया गया। 28 अक्टूबर को पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना मिली थी कि ट्रक क्रमांक जेएच-02-एल-0355 में गौवंश भरकर चरईडांड़-लोरो घाट होते हुए जशपुर लाया जा रहा है। डीआईजी एवं एसएसपी डॉ. लाल उमेद सिंह के निर्देश पर थाना लोदाम और दुलदुला की टीम ने ग्राम खटंगा के पास नाकाबंदी की, लेकिन चालक ने ट्रक रोकने के बजाय स्पीड बढ़ा दी और भाग निकला। इसके बाद सिटी कोतवाली जशपुर के साथ संयुक्त टीम ने ग्राम काईकछार के पास घेराबंदी की। पुलिस को देखकर तस्कर ट्रक रोककर जंगल की ओर भागने लगे। पीछा कर पुलिस ने एक आरोपी मोजामिल अंसारी, उम्र 29 वर्ष, निवासी उगारा, थाना सेन्हा, जिला लोहरदगा (झारखंड) को पकड़ लिया।

रेकी टीम का नया पैंतरा

पूछताछ में चौंकाने वाला खुलासा हुआ। तस्करों ने ट्रक के आगे एक कार में रेकी टीम लगा रखी थी, जो फोन पर पुलिस चेकिंग की सूचना दे रही थी। खटंगा में चेकिंग देखकर रेकी टीम ने ट्रक सवारों को सलाह दी कि एक व्यक्ति ट्रक से कूद जाए, ताकि पुलिस उसका पीछा करे और ट्रक निकल जाए। इसी योजना के तहत आरोपी गौतम कुमार भगत उर्फ चरकू ट्रक से कूद गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस उसे तत्काल जिला अस्पताल जशपुर ले गई, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है और इस घटनाक्रम में पृथक से अपराध दर्ज कर सभी संलिप्त लोगों पर कार्रवाई की जाएगी।

वध के लिए ले जा रहे थे सिसई

आरोपी मोजामिल ने बताया कि गुलाम अंसारी (निवासी साईं टांगरटोली) के कहने पर कोरबा के मोरगा में गौवंश लोड किए गए थे। पशुओं को रस्सियों से बांधकर, बिना दाना-पानी के वध के लिए सिसई (झारखंड) ले जाया जा रहा था। इसके एवज में 3000 रुपये देने की बात कही गई थी।

जब्ती और कार्रवाई

पुलिस ने 38 गौवंश (गाय-बैल) और ट्रक जेएच-02-एल-0355 को जब्त किया है। ट्रक के वैध दस्तावेज नहीं मिले हैं। थाना सिटी कोतवाली में छत्तीसगढ़ कृषक पशु परिरक्षण अधिनियम 2004 की धारा 4, 6, 10 और पशु क्रूरता निवारण अधिनियम की धारा 11(1)(क), 11(1)(घ) के तहत अपराध दर्ज किया गया है। फरार रेकी टीम और अन्य साथियों की तलाश तेज कर दी गई है। पुलिस का कहना है कि गौ तस्करी के पूरे नेटवर्क की गहन जांच की जा रही है, किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा।

स्वास्थ्य मंत्री के मुख्य आतिथ्य में 2 नवंबर को मनाया जाएगा राज्योत्सव

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर 2 नवंबर को प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों में राज्योत्सव 2026 का आयोजन होगा। इसी कड़ी में जशपुर के रणजीता स्टेडियम में जिला स्तरीय राज्योत्सव की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। कार्यक्रम के सफल आयोजन को लेकर मंगलवार को जिला पंचायत सीईओ अभिषेक कुमार ने जिला अधिकारियों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने विभागीय योजनाओं की प्रदर्शनी और स्टॉल समय पर लगाने के निर्देश दिए, ताकि शासन की जनकल्याणकारी योजनाएं और विकास कार्यों को आम लोगों तक पहुंचाया जा सके।

स्थानीय कलाकार देंगे प्रस्तुति

जिला स्तरीय राज्योत्सव में स्थानीय कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। साथ ही विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित भी किया जाएगा। रणजीता स्टेडियम में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

'सशक्त नारी, युवा उड़ान' होगी थीम

इस वर्ष राज्योत्सव 2026 की मुख्य थीम 'सशक्त नारी, युवा उड़ान' निर्धारित की गई है। कार्यक्रम में विभिन्न विभाग अपनी महत्वपूर्ण योजनाओं, उपलब्धियों और सफल परियोजनाओं का प्रदर्शन करेंगे। महिला सशक्तीकरण और युवाओं के विकास से जुड़े प्रयासों को विशेष रूप से दिखाया जाएगा।

सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने तकनीक और वैज्ञानिक दृष्टिकोण जरूरी : कलेक्टर

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और सड़क सुरक्षा को प्रभावी बनाने के उद्देश्य से मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में डीडीएचआई कार्यक्रम (आईआईटी मद्रास) के तहत जिला स्तरीय बैठक एवं प्रशिक्षण आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार और छत्तीसगढ़ शासन के परिवहन विभाग के एमओयू के तहत आयोजित हुआ। आईआईटी मद्रास के सड़क सुरक्षा के लिए उत्कृष्टता केंद्र (कोईआरएस) की टीम के हेमेन्द्र शर्मा और प्रीतम शर्मा ने अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण में दुर्घटनाओं के आंकड़ों के संकलन, विश्लेषण, वास्तविक कारणों की पहचान और आई-रैड पोर्टल पर सही व समयबद्ध प्रविष्टि पर जोर दिया गया।कलेक्टर रोहित व्यास ने कहा कि प्रशिक्षण में मिले तकनीकी ज्ञान का उपयोग दुर्घटनाओं और मृत्युओं में कमी लाने के लिए किया जाए। आंकड़ों का सही संकलन कर दुर्घटना संभावित क्षेत्रों की पहचान कर सुधारात्मक उपाय जरूरी हैं।पुलिस उप महानिरीक्षक ने भी तकनीक के प्रभावी उपयोग और जानकारी के सही संधारण पर जोर दिया। बैठक में विभिन्न विभागों के बीच समन्वय और कम लागत में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने पर चर्चा हुई।

कार्यक्रम में डीआईजी जशपुर, सीएमएचओ, पीडब्ल्यूडी, एनएच, पीएमजीएसवाई के कार्यपालन अभियंता, जिला परिवहन अधिकारी, यातायात डीएसपी, एनआईसी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। जिले के सभी थानों और अस्पतालों से आई-रैड एंट्री करने वाले कर्मचारी वर्चुअल रूप से जुड़े। अंत में आईआईटी मद्रास के विशेषज्ञों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

महंगाई से बिगड़ा छात्रावास अधीक्षकों का बजट, शिष्यवृत्ति में खर्च चलाना मुश्किल

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुर। जिले में छात्रावास अधीक्षकों को सीमित बजट में छात्रावास चलाने में परेशानी हो रही है। महंगाई, ऑनलाइन हाजिरी और सरकारी कार्यक्रमों के अतिरिक्त खर्च से मुश्किलें बढ़ गई हैं। अधीक्षक संघ ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर 12 नवंबर को एक दिवसीय सांकेतिक हड़ताल की चेतावनी दी है। मांग पूरी नहीं होने पर अनिश्चितकालीन आंदोलन होगा।

अधीक्षकों के अनुसार भोजन के लिए मिलने वाली 1500 रुपये की शिष्यवृत्ति में खर्च चलाना मुश्किल है। खाद्य सामग्री महंगी होने से बजट बिगड़ रहा है। 10 दिन से अधिक छुट्टी पर रहने वाले विद्यार्थियों की राशि कटने से भी दिक्कत होती है। संघ ने राशि बढ़ाने या अतिरिक्त बजट की मांग की है। VKS ऐप से ऑनलाइन हाजिरी अनिवार्य करने पर भी अधीक्षकों ने सवाल उठाए हैं। विद्यार्थियों की देखभाल के लिए बाहर जाना पड़ता है, तब हाजिरी लगाना मुश्किल होता है और वेतन कटौती का डर रहता है। सरकारी कार्यक्रमों में विद्यार्थियों को लाने-ले जाने का खर्च भी कई बार अलग से नहीं मिलता, जिससे अधीक्षकों को जेब से भुगतान करना पड़ता है। हड़ताल से जिले के करीब 200 छात्रावासों का संचालन प्रभावित हो सकता है, जिससे विद्यार्थियों के भोजन और देखरेख में परेशानी होगी।

इस पर आदिम जाति तथा अनुसूचित जनजाति विकास विभाग के सहायक आयुक्त संजय सिंह ने कहा कि मांगों का निराकरण शासन स्तर पर संभव है। अतिरिक्त खर्च के बिल विभाग में जमा किए जा सकते हैं, बजट मिलने पर नियमानुसार भुगतान किया जाएगा।

कलेक्टर ने 11 कर्मचारियों को समयमान वेतनमान का लाभ देकर दिया दीपावली का तोहफा

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। कलेक्टर रोहित व्यास ने एक बार फिर कर्मचारी हित में संवेदनशीलता दिखाई है। जिला कार्यालय की भू-अभिलेख शाखा में लंबे समय से सेवा दे रहे 11 तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को समयमान वेतनमान वृद्धि का लाभ दिया गया है। कलेक्टर व्यास ने जिला स्तरीय समिति की अनुशंसा के बाद तत्काल इस पर स्वीकृति प्रदान की। 10 और 20 वर्ष की सेवा पूरी कर चुके इन कर्मचारियों को वर्षों से इस लाभ का इंतजार था। कलेक्टर के इस फैसले से कर्मचारियों में खुशी की लहर है।

इन कर्मचारियों को मिला लाभ

कॉमन डेविड निकुंज, मुकेश भगत, संजीव कुमार एक्का, संदीप खलखो, जसवंत कुमार कंवर, पंजीव जंग, सुश्री नविता कुजूर, गजेन्द्र राम, श्रीमती मनीषा डनसेना, अजय कुमार मिंज और श्रीमती रोजालिया मिंज शामिल हैं। कर्मचारियों ने कहा कलेक्टर सर ने हमारी वर्षों की मेहनत को सम्मान दिया है। इससे हम और अधिक लगन से काम करेंगे। जिला प्रशासन द्वारा छोटे कर्मचारियों की समस्याओं को भी गंभीरता से सुना जा रहा है और उनका त्वरित निराकरण किया जा रहा है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर व ऑफसेट पुराना पोस्ट ऑफिस रोड दर्रीपारा अंबिकापुर छ. ग. पिन नं. 497001 से मुद्रित व वार्ड क्र. 10 कुनकुरी जशपुर से प्रकाशित । संपादक - लक्ष्मण सिंह